दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

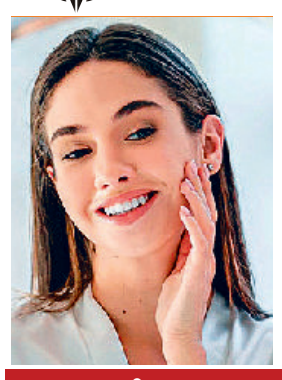

अमन लेखनी

बारिश के दिनो में .....

ऐसे दूर करें.....

वर्ष : 11 अंक : 202 लखनऊ, 09 जुलाई, बुधवार 2025 पृष्ठ : 08 मूल्य : 2.00 रुपए

उत्तर प्रदेश ने एसडीजी इंडेक्स में लगाई विकास की छलांग, 29वें से 18वें स्थान पर पहुंचा प्रदेश

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख/ अमन लेखनी समाचार

लखनऊ, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में वैश्विक मानकों पर आधारित सतत विकास लक्ष्यों के सापेक्ष उत्तर प्रदेश की प्रगति की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते वर्षों में राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप प्रदेश ने सतत विकास के हर क्षेत्र में ठोस प्रगति की है। यह उपलब्धि केवल स्कोर का मामला नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने वाले परिवर्तन की पुष्टि है। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2018-19 में 42 अंकों के साथ परफॉर्मर श्रेणी में शामिल उत्तर प्रदेश ने 2023-24 तक 25 अंकों की वृद्धि के साथ 67 का स्कोर हासिल कर फ्रंट रनर राज्यों की श्रेणी में प्रवेश किया है। 2018-19 में एसडीजी इंडेक्स में 29वें स्थान पर रहा उत्तर प्रदेश आज 2023-24 में 18वें स्थान पर आ गया है।

यह प्रगति इस अवधि में किसी भी राज्य द्वारा प्राप्त सबसे बड़ी छलांग है। एसडीजी इंडिया इंडेक्स में किसी एक राज्य द्वारा किया गया यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह नीतिगत स्पष्टता, योजनाओं के ठोस क्रियान्वयन और व्यापक जनसहभागिता का परिणाम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा चलाई गई योजनाएं, जैसे; हर घर जल, हर घर बिजली, कन्या सुमंगला, पोषण अभियान, मुख्यमंत्री आरोग्य योजना, मिशन शक्ति, प्रधानमंत्री आवास योजना, मिशन कायाकल्प और ओडीओपी ने एसडीजी लक्ष्यों को जमीनी स्तर पर साकार करने में निर्णायक भूमिका निभाई है। इन योजनाओं के माध्यम से आम जन का जीवन बदला है और व्यवस्था में भरोसा बढ़ा है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर बेटियों की शिक्षा और महिलाओं की सुरक्षा-सशक्तिकरण को लेकर राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि प्राथमिक विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ महिला सुरक्षा के लिए मिशन शक्ति जैसे अभियानों ने सामाजिक चेतना को नई दिशा दी है। स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर पहुंच और ग्रामीण इलाकों में पोषण संबंधी सुधारों का भी विशेष उल्लेख किया गया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सतत विकास लक्ष्यों को जमीनी स्तर पर मिशन मोड में लागू किया जाए। ग्राम पंचायतों तक हर योजना की जानकारी पहुंचे, और यह सुनिश्चित किया जाए कि अंतिम लाभार्थी तक उसका प्रभाव समय पर पहुंचे। उन्होंने यह भी कहा कि एसडीजी लक्ष्यों की प्राप्ति हर विभाग, हर जिले और हर पंचायत का साझा दायित्व है।

मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी विशेष बल दिया कि वास्तविक प्रगति का आकलन तभी संभव होगा जब सही डेटा समय पर और सटीक रूप में संकलित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी जिलों की एसडीजी प्रोफाइल बनाएं, उसे सार्वजनिक करें। उन्होंने कहा कि डेटा सिर्फ रिकॉर्ड नहीं है, यह नीतिगत फैसलों की नींव है; गलत या अधूरा डेटा न तो सही स्थिति दर्शाता है और न ही सही योजना को दिशा दे सकता है।

जेलों में कट्टरपंथियों को पनपने से रोकने के लिए गृह मंत्रालय ने उठाये सख्त कदम

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

राज्यों को जारी की बड़ी सलाह

नई दिल्ली, इस तरह के वाकये पूरी दुनिया में देखने को मिल रहे हैं कि जेलों में बंद कट्टरपंथी दूसरे कैदियों का भी ब्रेन वॉश करके उन्हें गलत राह पर धकेल देते हैं। देखा जाये तो जेलों में कैदियों को कट्टरपंथी बनाये जाने की घटनाएं अब गंभीर चुनौती बन चुकी हैं। यह प्रवृत्ति आंतरिक सुरक्षा के लिए तेजी से बड़ा खतरा बन रही है इसलिए संकट की गंभीरता को समझते हुए भारत सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से इस दिशा में तुरंत प्रभावी कदम उठाने का आग्रह किया है। हम आपको बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के गृह सचिवों को जारी एक परामर्श में कहा गया है कि कारागारों में बंद कमजोर मानसिकता वाले व्यक्तियों में उग्र विचारधारा के प्रसार को रोकना तथा ऐसे कैदियों को मुख्यधारा में लौटाने के लिए डि-रेडिकलाइजेशन की प्रक्रिया अपनाना अत्यंत आवश्यक है। यह न केवल सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी है, बल्कि देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी सहायक सिद्ध होगा।

देखा जाये तो कारागार एक सीमित व नियंत्रित वातावरण होता है जहाँ सामाजिक अलगाव, समूह मनोवृत्ति तथा निगरानी की सीमितता जैसी परिस्थितियाँ अतिवादी विचारों के पनपने के लिए उपजाऊ भूमि बन जाती हैं। कई बंदी, जो पहले से ही हताशा, समाज से कटाव या हिंसात्मक प्रवृत्तियों से ग्रस्त होते हैं, ऐसे माहौल में उग्रपंथी विचारधाराओं के प्रभाव में आ जाते हैं। इसलिए गृह मंत्रालय ने चेताया है कि कुछ मामलों में कट्टरपंथी बंदी हिंसात्मक गतिविधियों में लिप्त हो सकते हैं– चाहे वह जेल के स्टाफ पर हमला हो, अन्य बंदियों को नुकसान पहुँचाना हो या फिर बाहरी नेटवर्क के साथ मिलकर देश विरोधी गतिविधियों को अंजाम देना हो।

गृह मंत्रालय ने मॉडल प्रिजन मैनुअल 2016 और मॉडल प्रिजन्स एंड करेक्शनल सर्विसेज एक्ट, 2023 का हवाला देते हुए बताया कि इन मॉडल दस्तावेजों में उच्च-जोखिम कैदियों, उग्रवादियों आदि को अन्य कैदियों से पृथक रखने के लिए विशेष सुरक्षा वाले कारागारों की व्यवस्था की संस्तुति दी गई है। पूर्व में जारी की गई सलाहों को दोहराते हुए गृह मंत्रालय ने राज्य सरकारों से अपेक्षा जताई है कि वे कठोर प्रवृत्ति के बंदियों की पहचान, निगरानी और परामर्श की प्रभावी व्यवस्था करें।

मौसम अधिकतम तापमान 42.c

न्यूनतम तापमान 29.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 82,530.74

निफ्टी 25,062.10

संक्षिप्त समाचार

निशिकांत दुबे के बयान पर बिफरे उद्धव ठाकरे

कहा– फूट डालो और राज करो भाजपा की नीति

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

महाराष्ट्र, महाराष्ट्र में चल रहे भाषा विवाद के बीच शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे ने भाजपा सांसद की पटक पटक के मारेंगे टिप्पणी पर निशिकांत दुबे पर लकड़बग्घा का तंज कसते हुए पलटवार किया। उद्धव ने दुबे पर लोगों को बांटकर सद्भाव बिगाड़ने का प्रयास करने का आरोप लगाया और भाजपा पर फूट डालो और राज करो की नीति के जरिए राजनीतिक लाभ हासिल करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। शिवसेना नेता की यह टिप्पणी निशिकांत दुबे द्वारा ठाकरे भाइयों पर हमला करने के बाद आई है।

बस ड्राइवर की जल्दबाजी से गई 3 मासूमों की जान

तमिलनाडु में इस तरह हुआ बड़ा हादसा

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

तमिलनाडु , कुड्डालोर जिले के सेम्मनकुप्पम में एक मानवयुक्त गेट पर एक स्कूली वैन को यात्री ट्रेन द्वारा टक्कर मार दिए जाने के बाद कम से कम तीन स्कूली बच्चों की मौत हो गई और चालक सहित दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। निजी सीबीएसई स्कूल कृष्णास्वामी विद्यानिकेतन की वैन कुड्डालोर और अलप्पक्कम के बीच रेलवे लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 170 (एक गैर-इंटरलॉक मानवयुक्त गेट) को पार करने का प्रयास कर रही थी, जब उसे ट्रेन नंबर 56813 विल्लुपुरम-मयिलादुथुराई पैसेंजर ने टक्कर मार दी। एक अन्य छात्र घायल हो गया है और उसे कुड्डालोर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पंकज शर्मा के रूप में पहचाने जाने वाले रेलवे गेटकीपर को नींद आ गई थी और वह गेट बंद करने में विफल रहा। घटना के बाद गुस्साई भीड़ ने गेटकीपर की पिटाई भी की। हालांकि, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि जब श्री शर्मा गेट बंद करने के लिए आगे बढ़े तो वैन चालक ने वैन को गेट पार करने की अनुमति देने पर जोर दिया, जिसकी अनुमति नहीं दी जानी चाहिए थी।

बलरामपुर के उतरौला में चला योगी सरकार का बुलडोजर

जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा का अड्डा ध्वस्त

संवाददाता/ अमन लेखनी समाचार

बलरामपुर , धर्म परिवर्तन गिरोह के मुख्य व्यक्ति छांगुर बाबा की गिरफ़्तारी के बाद उत्तर प्रदेश प्रशासन ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में उसकी संपत्तियों पर कार्रवाई की और उसे ध्वस्त कर दिया। छांगुर बाबा, जिसका असली नाम जलालुद्दीन है, को पिछले शनिवार को उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने गिरफ़्तार किया था। उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी होने के बाद उसकी गिरफ़्तारी हुई और पुलिस ने उसकी गिरफ़्तारी में मदद करने वाली सूचना देने वाले को 50,000 रुपये का नकद इनाम देने की घोषणा की।

धर्मांतरण गिरोह के कथित सरगना छांगुर बाबा की संपत्ति ध्वस्त करने पर एसपी विकास कुमार ने कहा कि छांगुर बाबा द्वारा सरकारी जमीन पर बनाई गई इस इमारत को ध्वस्त किया जा रहा है। यहां पुलिस और पीएसी तैनात है। बलरामपुर के डीएम पवन अग्रवाल ने कहा कि सरकारी जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त कराने के लिए यह कार्रवाई की जा रही है।' उतरौला क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। यह कार्रवाई कानूनी प्रावधानों के तहत की गई है और अब इन संपत्तियों की जांच अवैध उपयोग या अधिग्रहण के लिए की जा रही है। यह कार्रवाई राज्य की कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा कथित धर्मांतरण रैकेट को लक्षित करने के लिए की गई कई कार्रवाइयों के बाद की गई है। इस मामले ने ऐसी गतिविधियों को लेकर नई चिंताएँ पैदा की हैं और राज्य सरकार को संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। इससे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी पहली प्रतिक्रिया दी थी। योगी ने एक्स पर लिखा कि हमारी सरकार बहन-बेटियों की गरिमा और सुरक्षा के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी जलालउद्दीन की गतिविधियां समाज विरोधी ही नहीं, बल्कि राष्ट्र विरोधी भी हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार कानून व्यवस्था को लेकर किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरतेगी। आरोपी और उसके गिरोह से जुड़े सभी अपराधियों की संपत्तियां जब्त की जाएंगी और उन पर सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

योगी ने आगे लिखा कि राज्य में शांति, सौहार्द और महिलाओं की सुरक्षा को भंग करने वालों के लिए कोई स्थान नहीं है। उन्हें कानून के अनुसार ऐसी सजा दी जाएगी, जो समाज के लिए एक उदाहरण बने। जांचकताओं ने बताया कि मुंबई निवासी घनश्याम रोहेरा, उनकी पत्नी नीतू और बेटी समाले ने नवंबर 2015 में दुबई में इस्लाम धर्म अपना लिया और अपना नाम क्रमशः जमालुद्दीन, नसरीन और सबीहा रख लिया। बाद में, जमालुद्दीन और उसका परिवार बलरामपुर में चांद औलिया दरगाह के पास रहने लगा, जहाँ वह खुद को सूफी संत हजरत बाबा जमालुद्दीन 'पीर बाबा' बताता था।

दिल्ली में भी यूपी मॉडल, कांवड़ यात्रा के दौरान बंद की जाएंगी मीट की दुकानें!

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, 11 जुलाई से 23 जुलाई तक चलने वाली कांवड़ यात्रा के दौरान दिल्ली में मीट की दुकानें बंद रहेंगी। इस बात की जानकारी मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के नेता कपिल मिश्रा ने दी। हालांकि, मंत्री ने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह प्रतिबंध केवल तीर्थयात्रा मार्ग पर पड़ने वाली मांस की दुकानों पर ही लागू होगा या नहीं। मिश्रा ने संवाददाताओं से कहा कि इनमें से ज्यादातर मीट की दुकानें वैसे भी अवैध हैं और कानून के मुताबिक इन्हें नहीं चलना चाहिए। लेकिन कांवड़ यात्रा के दौरान इन्हें खास तौर पर बंद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि इसको लेकर मांग की जरूरत नहीं है। कांवड़ यात्रा के दौरान इन्हें विशेष रूप से बंद रखा जाएगा। ये सभी अवैध दुकानें हैं और हम कांवड़ यात्रा के दौरान इन्हें संचालित करने की अनुमति नहीं दे सकते।

दूसरी ओर जंगपुरा से भाजपा विधायक तरविंदर सिंह मारवाह ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर दिल्ली में कांवड़ यात्रा मार्ग पर सभी शराब और मांस की दुकानों को अस्थायी रूप से बंद करने का अनुरोध किया था। विधायक ने कहा था कि शराब और मांस की दुकानों पर अस्थायी प्रतिबंध यात्रा की पवित्रता का सम्मान करेगा और किसी भी संभावित अप्रिय घटना को रोकेगा। पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि राज्य में कांवड़ यात्रा मार्ग पर कोई मांस न बेचा जाए। 26 जून को सरकार ने यह भी आदेश दिया कि तीर्थयात्रा मार्ग पर सभी भोजनालयों को अपने मालिकों के नाम प्रदर्शित करने होंगे।

हिंदू कैलेंडर के पवित्र महीने सावन के दौरान श्रद्धालु पवित्र नदियों से जल लेकर विभिन्न मंदिरों में भगवान शिव को चढ़ाने के लिए कांवड़ यात्रा करते हैं। इस साल कांवड़ यात्रा 11 जुलाई से शुरू होगी। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य मारवाह ने कहा कि श्री गुरु सिंह सभा एक धार्मिक संस्था है, जो सभी धर्मों का सम्मान करती है। उन्होंने पत्र में लिखा, ह्यह्यहम अपील करते हैं कि कांवड़ यात्रा के निर्धारित मार्गों पर मांस और शराब की दुकानें अस्थायी रूप से बंद कर दी जाएं, ताकि इसकी पवित्रता बनी रहे और कोई अप्रिय घटना न हो।

भीषण गर्मी झेल रहे राजस्थान को सावन में बारिश से मिलेगी राहत

मानसून हुआ राज्य के मौसम के अनुरूप

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

राजस्थान , जहां देश के कई हिस्सों में बारिश के कारण लोगों की परेशानियां बढ़ गयी थी वही दूसरी तरफ कुछ राज्य ऐसे थे जहां मानसून आने के बाद भी अच्छी बारिश नहीं हुई थी। बारिश न होने के कारम लोगों को गार्मी से काफी परेशानियां हुई। अब जैसे जैसे सावन का महीना नजदीक आ रहा है लग रहा है कि बारिश की उम्मीद राजस्थान में हो सकती है। मानसून की टर्फ लाइन राजस्थान के गंगानगर से गुजर रही है। इसके असर से अगले 5-6 दिन तक पूर्वी राजस्थान में मानसून सक्रिय रहेगा। राजस्थान में दक्षिण पश्चिम मानसून अभी एक दो दिन कमजोर रहेगा, लेकिन इसके सावन की शुरूआत में फिर जोर पकड़ने की उम्मीद है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनु इसके अनुसार मंगलवार को भरतपुर, कोटा, जयपुर, उदयपुर व बीकानेर संभाग में कहीं-कहीं मेघ गर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने तथा शेष ज्यादातर स्थानों पर मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है।

बिहार में सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 35% आरक्षण, युवा आयोग के गठन को भी मंजूरी

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार सरकार ने घोषणा की कि राज्य में सभी सरकारी सेवाओं और पदों में 35 प्रतिशत महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित होंगे। चुनावी वर्ष में लिया गया यह महत्वपूर्ण निर्णय मुख्यमंत्री कुमार की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। निर्णय के अनुसार, बिहार की मूल निवासी सभी महिला उम्मीदवारों को सरकारी सेवाओं और नौकरियों के लिए सभी सीधी भर्ती में 35 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा नीतीश कुमार ने घोषणा की कि राज्य सरकार की मंजूरी के बाद राज्य मंत्रिमंडल ने मंगलवार को बिहार युवा आयोग के गठन को मंजूरी दे दी है। इस कदम का उद्देश्य बिहार के युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर प्रदान करना और युवा प्रशिक्षण में निवेश को बढ़ावा देना है, ताकि उन्हें सशक्त और सक्षम बनाया जा सके। नीतीश ने एक्स पर लिखा कि मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि बिहार के युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, उन्हें प्रशिक्षित करने तथा सशक्त और सक्षम बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने बिहार युवा आयोग के गठन का निर्णय लिया है और आज कैबिनेट द्वारा बिहार युवा आयोग के गठन की मंजूरी भी दे दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज में युवाओं की स्थिति में सुधार और उत्थान से संबंधित सभी मामलों पर सरकार को सलाह देने में इस आयोग की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। युवाओं को बेहतर शिक्षा और रोजगार सुनिश्चित करने के लिए सरकारी विभागों के साथ यह आयोग समन्वय भी करेगा। उन्होंने कहा कि बिहार युवा आयोग में एक अध्यक्ष, दो उपाध्यक्ष और सात सदस्य होंगे, जिनकी अधिकतम उम्र सीमा 45 वर्ष होगी।

यह आयोग इस बात की निगरानी करेगा कि राज्य के स्थानीय युवाओं को राज्य के भीतर निजी क्षेत्र के रोजगारों में प्राथमिकता मिले, साथ ही राज्य के बाहर अध्ययन करने वाले और काम करने वाले युवाओं के हितों की भी रक्षा हो। सामाजिक बुराइयों को बढ़ावा देने वाले शराब एवं अन्य मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए कार्यक्रम तैयार कर और ऐसे मामलों में सरकार को अनुशंसा भेजना भी इसका महत्वपूर्ण कार्य होगा। राज्य सरकार की इस दूरदर्शी पहल का उद्देश्य है कि इस आयोग के माध्यम से युवा आत्मनिर्भर, दक्ष और रोजगारोन्मुखी बनें ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो।

कर्नाटक सरकार के आदेश को उच्च न्यायालय ने पलटा

जन-औषधि केंद्र बंद करने के आदेश पर लगाई रोक

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, कर्नाटक उच्च न्यायालय ने 18 याचिकाकताओं के लिए राज्य के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी सरकारी आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी है, जिसमें सरकारी अस्पतालों के परिसर में संचालित सभी जन औषधि केंद्रों (जेएके) को बंद करने का निर्देश दिया गया था। न्यायमूर्ति एम आई अरुण ने केंद्रों के मालिकों द्वारा दायर याचिकाओं के एक समूह में यह आदेश पारित किया, जिसमें कहा गया, याचिकाकर्ता को प्रतिवादी संख्या 4-अस्पताल में जन औषधि केंद्र (फामेर्सी शॉप) चलाने के लिए दी गई रियायत अगली सुनवाई की तारीख तक समाप्त नहीं की जाएगी। याचिकाकताओं ने तर्क दिया कि सरकारी आदेश जल्दबाजी में पारित किया गया, उनसे परामर्श किए बिना या चेतावनी दिए बिना, और यह जनहित को नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने तर्क दिया कि उन्होंने केंद्र चलाने के उद्देश्य से बुनियादी ढांचे के विकास, दवा सूची, उपकरण और फर्नीचर, कर्मचारियों के वेतन, आवश्यक लाइसेंस और अनुमति प्राप्त करने में पैसा लगाया था और इस प्रकार, राज्य से उनकी वैध अपेक्षाएँ थीं। हालाँकि, विवादित सरकारी आदेश संविधान के अनुच्छेद 19(1)(जी) के तहत उनके आजीविका के अधिकार और अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार का उल्लंघन करता है। यह सरकारी आदेश इसलिए जारी किया गया क्योंकि डॉक्टरों को मरीजों को बाहरी सुविधाओं से दवाइयाँ खरीदने के लिए प्रोत्साहित करने से मना किया गया है और अस्पताल परिसर के भीतर जन औषधि केंद्र खोलना उक्त नीति के विपरीत होगा।

मनमोहन सामल के हाथ में भाजपा ओडिशा की कमान, निर्विरोध हुए निर्वाचित

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, भाजपा ने मनमोहन सामल को ओडिशा प्रदेश इकाई का फिर से अध्यक्ष नियुक्त किया है। सोमवार को उन्होंने अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था। वह नामांकन करने वाले एकमात्र उम्मीदवार थे। भाजपा के केंद्रीय चुनाव पर्यवेक्षक संजय जायसवाल ने पार्टी के राज्य मुख्यालय में वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में मनमोहन सामल की इस पद पर पुनर्नियुक्ति की घोषणा की। चुनाव प्रक्रिया में 37 संगठनात्मक जिलों के 273 प्रतिनिधि शामिल रहे, जिनमें राज्य परिषद के सदस्य, जिला अध्यक्ष और दो लोकसभा सांसद, एक राज्यसभा सांसद और पांच विधायक जैसे निर्वाचित जनप्रतिनिधि शामिल हैं।

सामल का राज्य भाजपा अध्यक्ष के रूप में यह तीसरा कार्यकाल होगा। इससे पहले वे 1999 से 2004 तक इस पद पर रहे और मार्च 2023 में उन्हें फिर से नियुक्त किया गया। ओडिशा के तटीय भद्रक जिले में गहरी जड़ें रखने वाले जमीनी नेता सामल की राजनीतिक यात्रा संगठनात्मक कौशल से चिह्नित है। 66 वर्षीय सामल का राजनीतिक जीवन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से शुरू हुआ, जब वे 1979 में भद्रक कॉलेज के छात्र संघ के अध्यक्ष बने। वे जल्द ही भाजपा के रैंकों में ऊपर उठ गए।

अप्रैल 2000 में, वे ओडिशा का प्रतिनिधित्व करते हुए राज्यसभा के लिए चुने गए, और बाद में भद्रक में धामनगर निर्वाचन क्षेत्र से ओडिशा विधानसभा चुनाव जीतने के बाद 2004 में इस्तीफा दे दिया।

संक्षेप

तेज रफ्तार कार और ई रिक्शा में आमने-सामने भिड़ंत,रिक्शा चालक घायल

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में मंगलवार को ई रिक्शा और तेज रफ्तार कार में आमने-सामने भिड़ंत हो गई। इस हादसे में ई रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने उसे लोक बंधु अस्पताल पहुंचाया। जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस के मुताबिक बंथरा के नारायणपुर निवासी ई रिक्शा चालक श्याम किशोर सिंह (40) मंगलवार शाम करीब 4 बजे अपने घर से फतेहगंज - नारायणपुर रोड होते हुए हरौनी जा रहा था। तभी बनी -मोहान रोड स्थित चौराहे से पहले पहुंचते ही सामने से आ रही तेज रफ्तार हुंडई की वेन्यू कार ने उसके ई रिक्शा में सामने से जोरदार ठोकर मार दी। इस हादसे में ई रिक्शा चालक श्याम किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना के बाद पहुंची बंथरा थाने की नारायणपुर पुलिस चौकी के पुलिसकर्मियों ने आनन फानन श्याम किशोर को लोक बंधु अस्पताल पहुंचाया। जहां उसका इलाज जारी है। वहीं पुलिस ने गुडंबा निवासी कार चालक विवेक शुक्ला को कार सहित हिरासत में ले लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है।

यूपी में बिना मान्यता स्कूलों पर चलेगा 'डंडा'! 10 जुलाई तक सघन जांच के आदेश

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। प्रदेश में बिना मान्यता संचालित हो रहे स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। बेसिक शिक्षा निदेशालय ने मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशकों को आदेश दिया है कि वे जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से सभी ब्लाकों में ऐसे स्कूलों की 10 जुलाई तक सघन जांच कराएं। यह निर्देश निश्शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 और राज्य सरकार की नियमावली-2011 के प्रविधानों के तहत जारी किया गया है, जिसमें स्पष्ट किया गया है कि कोई भी विद्यालय बिना मान्यता के स्थापित या संचालित नहीं किया जा सकता।

सदरौना से अयोध्या तक गूंजा राम नाम : श्रद्धा की थाप पर सेवा का आलोक बिखेरते डॉ. राजेश्वर सिंह

44वीं राम रथ श्रवण अयोध्या यात्रा : सरोजनी नगर के श्रद्धालुओं ने किया सरयू में स्नान, हनुमानगढ़ी और श्रीराम जन्मभूमि की दिव्यता के दर्शन

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। श्रद्धा जब लोकगीतों में बहती है, सेवा जब यज्ञ का स्वरूप लेती है, और आस्था जब नेतृत्व के संकल्प से जुड़ती है तब 'रामरथ श्रवण अयोध्या यात्रा' जैसा अनुपम दृश्य आकार लेता है। मंगलवार को सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र के काशीराम कॉलोनी (सदरौना) से श्रद्धालुओं का एक भावप्रवाहित जत्था ढोलक की थाप, मंगलगीतों की लहर और रामनाम के गगनभेदी जयघोषों के साथ अयोध्या धाम के लिए रवाना हुआ।

रामरथ श्रवण अयोध्या यात्रा निःशुल्क बस सेवा का यह 44वां संस्करण, विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा अपनी पूज्य माताजी स्वर्गीय श्रीमती तारा सिंह जी की स्मृति में संचालित सेवा-परंपरा का गौरवशाली पड़ाव था, जो अब तक हजारों वृद्धजनों और वंचित श्रद्धालुओं को प्रभु श्रीराम के दिव्य धाम तक पहुँचा चुका है। सुबह से ही काशीराम कॉलोनी भक्ति, उल्लास और लोकसंस्कृति के रंग में रंगी थी। श्रद्धालु, ढोलक, करताल और मंजीरे की धुन पर थिरकते हुए मंगलाचरण के साथ बस में सवार हुए। रास्ते भर भजन, आरती, हनुमान चालीसा और लोक गीतों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। अयोध्या पहुंचकर श्रद्धालुओं ने सबसे पहले सरयू में पुण्यस्नान कर आत्मशुद्धि का अनुभव किया। इसके बाद हनुमानगढ़ी में बजरंग बली के दर्शन कर मनोकामना मांगी, और फिर प्रभु श्रीराम के भव्य एवं दिव्य मंदिर के दर्शन कर अभिभूत हो उठे।

रामलला के दर्शन के समय कई बुजुर्ग श्रद्धालुओं की आँखों में अश्रु थे, यह केवल भावनाओं की लहर नहीं, बल्कि वर्षों की तपस्या के साक्षात दर्शन थे। मंदिर की आभा, दीपों की रेखा, शंखनाद और सुवासित पुष्पों की सजावट ने उन्हें अलौकिक अनुभूति से भर दिया।

पूरी यात्रा के दौरान विधायक की टीम के वालंटियर पूरी तत्परता के साथ श्रद्धालुओं की सेवा में उपस्थित रहे। घर से ले जाने और वापस छोड़ने तक, रास्ते में भोजन, जलपान, प्रसाद वितरण, मेडिकल सहायता, लोकल कनवेंस और दर्शन व्यवस्था, सब कुछ सुव्यवस्थित और सम्मानपूर्वक सम्पन्न कराया गया।

यात्रा के दौरान एक वृद्ध श्रद्धालु ने भावुक होकर कहा: 'जन्म लिया था, अब दर्शन भी हो गए, इस जीवन में और क्या चाहिए!' वहीं एक महिला श्रद्धालु ने कहा: 'अयोध्या जाना एक सपना था, लेकिन अपने विधायक जी की वजह से ये सपना इतना सुंदर और आत्मिक हो जाएगा, ये सोचा न था।' विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा संचालित यह सेवा केवल एक बस यात्रा नहीं, बल्कि जनप्रतिनिधित्व के उस रूप की मिसाल है, जिसमें संवेदना, संस्कृति और संकल्प एक साथ चलते हैं।

घर जा रहे किसान की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत

अमन लेखनी समाचार

मृतक राम प्रसाद फाइल – फोटो

लखनऊ। बीती रात बाग से पैदल वापस घर लौट रहे किसान को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को सीएचसी पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित किया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

माल कस्बा निवासी रामप्रसाद (54) सोमवार देर रात बाग से पैदल वापस घर लौट रहे थे। तभी रुदान खेड़ा पुलिया के पास रात के अंधेरे में अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल अवस्था में उसे माल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने किसान को मृत घोषित किया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मृतक के परिवार में पत्नी गुड़िया बेटा गुलशन, अमन, बेटी कोमल सृष्टि हैं, जिनका रो रो कर बुरा हाल है। पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचते ही परिवार में चीख पुकार मच गई। वहीं देर शाम परिजनों ने उसका अंतिम संस्कार कर दिया। इस संबंध में माल थाना प्रभारी निरीक्षक नवाब अहमद ने बताया कि मृतक के परिजनों की तहरीर पर अज्ञात में मुकदमा दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज से वाहन की तलाश की जा रही है।

विद्युत करंट की चपेट में आकर दो भैंस की दर्दनाक मौत

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र में मंगलवार को बाग में घास चरने गई दो कीमती भैंस की विद्युत करंट की चपेट में आकर मौके पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गई। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने संबधित विद्युत पावर हाउस के अलावा पशु चिकित्सक और नगर निगम को इसकी सूचना दी। सूचना के बाद विद्युत कर्मियों ने तार सही किया। वहीं पशु चिकित्सक और नगर निगम द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है। बिजनौर पुलिस के मुताबिक थाना क्षेत्र के पुराना गुड़ौरा निवासी कृष्ण कुमार यादव के जानवर थोड़ी दूर स्थित बाग में घास चरने गए थे। तभी वहां दो कीमती भैंस 11 हजार वोल्टेज विद्युत लाइन के टूटे लटक रहे तारों की चपेट आ गई और दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इसकी जानकारी कृष्ण कुमार को हुई तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने कृष्ण कुमार यादव से तहरीर लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि शारदा नगर विद्युत पावर हाउस से जुड़े 11 हजार वोल्टेज विद्युत लाइन के तार टूटकर जमीन पर लटक रहे थे। तभी अपराहन करीब साढ़े तीन बजे घास चरने गई दोनों भैंस उनकी चपेट में आ गई। बिजनौर प्रभारी निरीक्षक अरविंद राणा ने बताया कि मौके पर पहुंचने के बाद इसकी सूचना शारदा नगर पावर हाउस को देकर उक्त विद्युत लाइन की सप्लाई रूकवाई गई। साथ ही पशु चिकित्सक और नगर निगम को इससे अवगत कराया गया। बाद में पहुंचे विद्युत कर्मियों ने टूटे तारों को ठीक कर दिया है। वहीं पशु चिकित्सकों द्वारा दोनों मृत भैंस का पोस्टमार्टम किया जा रहा है।

जानलेवा लापरवाही:एयरपोर्ट के पास खुला पड़ा नाला बन रहा दुर्घटना का कारण

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। नगर निगम की लापरवाही से सरोजनीनगर में एयरपोर्ट के पास करीब एक माह से खुला पड़ा नाला कभी भी दुर्घटना का कारण बन सकता है। इसकी वजह से जहां कानपुर रोड किनारे रहने वाले लोगों और दुकानदारों को दुर्गंध युक्त वातावरण से जूझना पड़ रहा है। वहीं नाला खुला होने के कारण वह कूड़े से पटता जा रहा है। बताते चलें कि सरोजनीनगर में कानपुर रोड किनारे अमौसी एयरपोर्ट वीआईपी तिराहे से नादरगंज तक बने करीब 1 किलोमीटर नाले की सफाई के लिए लगभग 1 माह पहले नगर निगम विभाग द्वारा उसके ऊपर रखे पत्थर हटा दिए गए थे। हालाकि पत्थर हटाने के बाद नाले की सफाई तो कर दी गई। लेकिन नाले को दोबारा पत्थरों से नहीं ढाका गया। अब स्थिति यह है कि नाले के ऊपर से हटाकर बेतरतीब डाले गए बड़े बड़े पत्थर जहां वाहन सवार राहगीरों को दुर्घटना की दावत दे रहे हैं। वहीं खुले नाले में बच्चों और जानवरों के गिरने की आशंका बनी हुई है। इतना ही नहीं नाले की सफाई करने के बाद दोबारा पत्थरों से ना ढके जाने से तेज हवा के कारण आसपास का सारा कूड़ा उड़कर फिर नाले में जा रहा है। यही नहीं नाले की सफाई कर बाहर डाला गया मलबा अब तक नहीं हटाया गया है। आलम यह है कि पहले का निकाला गया कचरा हटाया नहीं गया और फिर से नाले में भयंकर कूड़ा कचरा भर गया है। ऐसे में नाला सफाई का कोई मतलब नहीं रह गया। बल्कि सफाई की बजाय वह फिर कूड़े से पटता जा रहा है। वहीं एक माह से खुले पड़े नाले के कारण सड़क किनारे रहने वाले लोगों के अलावा दुकानदारों को भी नाले से उठ रही भीषण दुर्गंध का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि इस दुर्गंध पूर्ण वातावरण से संक्रामक बीमारियां फैलने की आशंका बनी हुई है। लेकिन नगर निगम विभाग इस पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रहा है। एयरपोर्ट वीआईपी तिराहे से करीब 200 मीटर दूर तक खुले पड़े नाले में कभी भी छोटे बच्चे गिरकर चोटिल व डूब सकते हैं। यहां रहने वाले विजय ने बताया कि बीते 3 दिन पहले उनका दो वर्षीय बेटा खेलते खेलते इसी नाले में गिर गया था। तब आनन फानन उसे किसी तरह बाहर निकाला गया। अगर जरा सी देरी हो जाती तो वह डूब सकता था।

वीरपाल सिंह भदौरिया बने क्षत्रिय समाज के प्रदेश अध्यक्ष

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। अखिल भारतीय क्षत्रिय समाज की मंगलवार को आयोजित बैठक में वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष व संगठन मुख्यालय प्रभारी वीरपाल सिंह भदौरिया को प्रदेश अध्यक्ष अवध बनाया गया। इसके लिए उन्होंने राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार जताया।मंगलवार को प्रेसवार्ता में वीर पाल सिंह भदौरिया ने कहा कि अवध प्रदेश में किसी भी जिले में जिला अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष तहसील, अध्यक्ष नहीं रहने से संगठन शून्य या निष्क्रिय हो गया था। मैं तीन महीने में संगठन को हर जिलों में मजबूत बनाने का संकल्प लेता हूं। मैं राजधानी लखनऊ में सक्रिय टीम बनाकर संगठन को फिर से मजबूत करूंगा। उन्होंने बताया कि वह महिला प्रकोष्ठ,अधिवक्ता प्रकोष्ठ और युवा प्रकोष्ठ का गठन कर संगठन को मजबूती प्रदान करने का हरसंभव प्रयास करेंगे।

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अवध अमरेन्द्र सिंह परमार को राष्ट्रीय संगठन में नयी जिम्मेदारी दी गई है। इस अवसर पर नव नियुक्त अवध प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर हरिवंश सिंह की उदारता है कि उन्होंने मुझ पर विश्वास जताया है मैं उस पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करुंगा।

पूर्व सांसद कुंवर हरिवंश सिंह राष्ट्रीय अध्यक्ष कोर कमेटी अध्यक्ष, पूर्व सांसद राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह, संगठन के वरिष्ठ राष्ट्रीय महामंत्री राघवेंद्र सिंह राजू, पर्यवेक्षक कैप्टन डी एस राठौड़, पर्यवेक्षक सुखवीर सिंह भदौरिया, आईटी सेल चीफ पारस चौहान, राष्ट्रीय कोर कमेटी का हृदय से आभारी रहूंगा। उन्होंने मुझे अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा संगठन को प्रदेश अध्यक्ष अवध की जिम्मेदारी सौंपी। मैं पूरी ईमानदारी से काम करुंगा।

किसान अपरहण मामले में दूसरा आरोपी गिरफ्तार, तीन फरार

अमन लेखनी समाचार

आरोपी बलराम – फोटो

लखनऊ। विगत डेढ़ महीने पूर्व कार सवारों ने अवैध संबंधों के शक में किसान को अगवा कर किसान के साथी को फिरौती के लिए कॉल की गई। इस बीच किसान के भाई के मित्र ने रहीमाबाद पुलिस को सूचना दी। थी। जिसपर सर्विलांस की मदद से पुलिस ने अपहृत को तलाश कर परिवार के हवाले कर दिया। अपहरण में शामिल दूसरा आरोपी बलराम ग्राम बांझी थाना माल को सोमवार शाम को रहीमाबाद थाना क्षेत्र के कैथुलिया के पास गहदो माल मार्ग से गिरफ्तार कर लिया साजिश रचने का आरोप उसके साढू और उसके साथियों पर है। आरोपियों ने नेकपाल को अज्ञात नम्बर से फोन कर फिरौती मांगी थी। जिसपर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश की शुरू कर दी थी। जिसमें सुरेंद्र कुमार यादव को बीती 30 मई 2025 को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। वहीं रहीमाबाद इंस्पेक्टर आनंद द्विवेदी ने बताया कि सोमवार को काफी दिनों से फरार चल रहे आरोपी बलराम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। वहीं फरार चल रहे रामगोपाल, राकेश, वीरपाल की तलाश जारी है। जल्द ही तीनों पुलिस गिरफ्त में होंगे।

कांग्रेस ने जिला कमेटी का किया गठन

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। कांग्रेस ने जिला कमेटी का गठन कर दिया है। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की ओर से जारी 89 पदाधिकारियों की सूची में जातिगत और लैंगिक समीकरणों का विशेष ध्यान रखा गया है। इस नई कमेटी में समाज के विभिन्न वर्गों को प्रतिनिधित्व दिया गया है। जारी सूची के अनुसार नवगठित जिला कमेटी में एक कोषाध्यक्ष, 23 उपाध्यक्ष, 28 महासचिव और 35 सचिव, एक प्रवक्ता एवं एक सोशल मीडिया प्रभारी नामित किए गए हैं। कुल 89 पदाधिकारियों में से 17 महिलाएं शामिल हैं, जो कुल संख्या का लगभग 21 फीसदी से अधिक है। यह पार्टी की महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सरोजनीनगर के गहरू में रहने वाले जिलाध्यक्ष रुद्रदमन सिंह ने बताया कि जातिगत प्रतिनिधित्व की बात करें तो कांग्रेस ने ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) और एससी (अनुसूचित जाति) वर्ग को भी पदाधिकारी बनाया है। इसके अतिरिक्त सूची में 14 मुस्लिम पदाधिकारी भी शामिल हैं, जो अल्पसंख्यक समुदाय को महत्व देने का संकेत हैं। कमेटी में एक ईसाई समुदाय के सदस्य को भी स्थान दिया गया है। गठन आगामी त्रिस्तरीय पंचायत और विधानसभा चुनावों के मद्देनजर कांग्रेस की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें पार्टी सभी वर्गों को साथ लेकर चलने का प्रयास कर रही है। नई टीम के साथ, कांग्रेस राजधानी लखनऊ में अपनी पकड़ मजबूत करने और जन-जन तक पहुंचने की उम्मीद कर रही है।

महिला ने रच डाली परिचितों को फसाने के लिए गैंगरेप की झूठी कहानी

ग्रामीणों की मांग : षड्यंत्र करने वाली महिला के खिलाफ पुलिस ने क्यों नहीं की कार्रवाई?

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। निगोहां थाना क्षेत्र की एक महिला अपने दो परिचितों के साथ शराब पिया फिर, बाइक से घर जा रही थी, रास्ते में बाइक से गिरने के बाद वह चोटिल हो गयी जिसके बाद वह सीधा निगोहां थाने पहुँची और गैंगरेप की बात कहने लगी जिसके बाद,पुलिस तुरंत हरकत में आयी और मौके पर जांच करने पहुंची तो पता चला कि मामला फर्जी पुलिस ने महिला से पूछताछ शुरू की तो महिला टूट गई और बताया कि उसके साथ गैंगरेप जैसी कोई घटना नहीं हुई अपने आप को फँसता देख महिला ने बताया कि, उसको बहकाया गया है वहीं लोगों में महिला के प्रति काफी आक्रोश है ग्रामीणों का कहना है कि आरोपी महिला जब निदोर्षों को फसाने के लिए षड्यंत्र रच रही है तो पुलिस ने उसे पर कार्रवाई क्यों नहीं की?

फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस जांच में खुली पोल तो महिला ने बताया कि बहकावे में आकर लगाया था आरोप

मामला निगोहां थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली महिला निगोहा बाजार गैस सिलेंडर भरवाने के लिए आई थी उनके साथ उनके दो परिचित लोग भी थे जब गैस नहीं मिली तो वापस अपने घर जा रहे थे रास्ते में तीनों लोगों ने शराब खरीद और एक प्लाटिंग कंपनी में बैठकर शराब पी। फिर तीनों बाइक पर बैठे और गांव के लिए जैसे ही उनकी बाइक एक रेलवे क्रॉसिंग के पास पहुंची तो महिला बाइक से गिर गई और चोटिल हो गई इसी से नाराज होकर महिला निगोहा थाने पहुंची और अपने ऊपर गैंगरेप जैसी रंगीन वारदात करने का आरोप लगाकर मामले की तहरीर दी जिसके बाद पुलिस हरकत में आई और मौके पर जांच करने के लिए गई तो पता चला कि वहां मामला कुछही है फिर पुलिस ने इस महिला से कड़ाई से पूछताछ करना शुरू किया तो बताया कि उसके साथ कोई घटना नहीं हुई है जो लोग उसके साथ थे उनको फसाने के लिए उसने गैंगरेप का आरोप लगाया था वहीं लोगों की मांग है कि,जब आरोपी महिला परिचितों को फसाने के लिए झूठी कहानी रचना स्वीकार कर रही है तो पुलिस ने महिला पर कार्रवाई क्यों नहीं की--? यही नहीं, जब महिला के आरोप सफल नही हुए तो अपने बचाव में महिला ने लोगों के बहकावे में आकर तहरीर देने की बात कही फिलहाल पुलिस के आलाधिकारी मामले की जांच कर रहे है एसीपी मोहनलालगंज रजनीश वर्मा ने बताया कि मारपीट का मुकदमा दर्ज किया गया है, मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

घोड़े से टकराकर पलटी बाइक पिता की मौत, बेटा घायल, ट्रामा सेंटर रेफर

हादसा

अमन लेखनी समाचार

मृतक नवल फाइल – फोटो

लखनऊ। बीती रात ढाबे से खाना खाकर बाइक से सवार होकर पिता पुत्र वापस घर लौट रहे थे तभी रास्ते में अचानक सड़क पर घोड़ा आ गया जिससे टकराकर पिता पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आनन फानन में घायलों को सीएचसी पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने पिता को मृत घोषित कर बेटे की हालत गंभीर देख ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया।

रहीमाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम तेरवा निवासी डॉ. नवल किशोर (51) सोमवार देर रात अपने बेटे करन के साथ बंजारन खेड़ा अवध ढाबे से खाना खाकर बाइक से वापस घर लौट रहे थे। तभी जिन्दौर, शेर नगर गांव के पास रात के अंधेरे में लखनऊ हरदोई हाईवे पर अचानक सामने से घोड़ा (खच्चर) आ गया जिससे बाइक टकराकर पलट गई। जिसमें दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल पिता पुत्र को मलिहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने पिता नवल किशोर को मृत घोषित कर बेटे करन की हालत गंभीर देख उसे ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। जहां उसका इलाज चल रहा है। वहीं कुछ देर बाद हादसे में घोड़े ने भी प्राण त्याग दिए। मृतक नवल किशोर रहीमाबाद क्षेत्र के लोधाई गांव में क्लीनिक भी चलाते थे। उसी से अपने घर का भरण पोषण करता था। मृतक नवल किशोर का बेटा करन सर्वोदय स्कूल में कक्षा आठ का छात्र है। मृतक नवल किशोर ने अपनी जिंदगी में दो शादियां की थी। जिनसे छह बच्चे हैं, पिता की मौत से उनका रो-रो कर बुरा हाल है। घटना के बाद घर शव पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया। मंगलवार को परिजनों ने उसका अंतिम संस्कार कर दिया।

संदिग्ध परिस्थितियों में दवा लेने निकले बुजुर्ग लापता, परिजनों ने थाने में लगाई तलाश की गुहार

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के दहियर निवासी एक बुजुर्ग के लापता होने का मामला सामने आया है परिजनों ने मोहनलालगंज थाने में गुमशुदगी की तहरीर देकर जल्द से जल्द तलाश की गुहार लगाई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहनलालगंज थाना क्षेत्र दहियर निवासी अभिषेक कुमार शर्मा ने बताया कि उनके पिता बनवारी लाल शर्मा, पुत्र स्व. कन्हैया लाल शर्मा, बीते रविवार को शाम लगभग 3 बजे बदन दर्द की दवा लेने के लिए तेलीबाग की ओर निकले थे लेकिन निर्धारित समय के बाद भी वह वापस नहीं लौटे परिजनों ने उन्हें आसपास के सभी संभावित स्थानों पर खोजा, रिश्तेदारों और जानकारों से भी संपर्क किया, लेकिन कोई सुराग नहीं लग सका लापता बुजुर्ग के पुत्र अभिषेक शर्मा ने बताया कि मंगलवार को जब कोई जानकारी नहीं मिली तो उन्होंने मोहनलालगंज थाने में गुमशुदगी की तहरीर देकर अपने पिता की खोजबीन के लिए पुलिस प्रशासन से मदद की अपील की है उन्होंने बताया कि उनके पिता मानसिक रूप से स्वस्थ हैं, लेकिन उनकी उम्र अधिक होने के कारण उन्हें कोई अनहोनी का भय सता रहा है परिजनों का कहना है कि वे बेहद चिंतित हैं और प्रशासन से अपेक्षा कर रहे हैं कि बनवारी लाल शर्मा की जल्द से जल्द तलाश की जाए मोहनलालगंज पुलिस द्वारा मामले की जानकारी मिलने के बाद कार्रवाई शुरू कर दी गई है स्थानीय पुलिस संभावित स्थानों पर जांच कर रही है और लापता वृद्ध की तलाश में जुटी हुई है।

निगोहां में हरे पेड़ों की अवैध कटान तीन दिन बाद भी नहीं हुई कोई कार्यवाही प्रशासन मौन, ग्रामीणों में भारी आक्रोश

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। निगोहां थाना क्षेत्र के मीरकनगर मार्ग पर बीते रविवार को लकड़कट्टों द्वारा प्रतिबंधित हरे पेड़ों की अवैध कटान कर दी गई ग्रामीणों ने इसकी शिकायत संबंधित अधिकारियों और निगोहां पुलिस को दी लेकिन घटना के तीन दिन बीत जाने के बावजूद अभी तक कोई भी कार्रवाई नहीं हो सकी है इससे ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है जानकारी के अनुसार कटे गए पेड़ों में 60 वर्ष पुराना फलदार कलुआ आम का पेड़ भी शामिल है जो क्षेत्र में अपनी पहचान और ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाता था ग्रामीणों का आरोप है कि नगराम के रहने वाले ठेकेदार द्वारा वन विभाग की मिलीभगत से यह अवैध कटान करवाई गई है, ताकि जमीन पर अवैध कब्जा किया जा सके वही एडवोकेट व सामाजिक कार्यकर्ता नहुष सेवा समिति के अध्यक्ष देवेश बाजपेयी ने इस मामले को निगोहां पुलिस को शिकायती पत्र सौंपते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि वन विभाग की मिलीभगत से पूरे क्षेत्र में हरे पेड़ों की सुनियोजित ढंग से कटान की जा रही है और प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है वही स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि योगी सरकार एक ओर हरियाली बचाने के लिए एक पेड़ माँ के नाम जैसे अभियान चला रही है, वहीं दूसरी ओर ऐसे मामले उन अभियानों को पलीता लगा रहे हैं क्षेत्रीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो वे धरना-प्रदर्शन करने को विवश होंगे अब सवाल यह उठता है कि क्या प्रशासन जानबूझकर इस मामले को नजरअंदाज कर रहा है या फिर रसूखदारों के दबाव में कोई कार्रवाई नहीं की जा रही यह कि हरे पेड़ो की अवैध कटान पर्यावरण संरक्षण व प्रशासनिक निष्क्रियता पर एक बड़ा सवाल खड़ा करती है।

संक्षेप

पट्टे की जमीन पर दबंग कर रहे कब्जा

हसनगंज, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र नेवलगंज गांव निवासी कमलेशा पत्नी अशोक कुमार ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि नेवलगंज गांव के बाहर नौ बिसुवा जमीन का पट्टा हुआ था, जिस पर काबिज हु गांव के ही सुधीर, सतीश का भी खेत बगल में है आए दिन दोनो लोग ट्रैक्टर से मेड को जोत देते है कई बार एसडीएम सहित पुलिस को सूचना दी लेकिन कार्रवाई नहीं हुई, जिसपर पीड़िता ने प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। कोतवाली प्रभारी संदीप शुक्ला ने बताया कि जानकारी में आया है दोनो पक्षों को बुलाया गया है।

कपड़ा दुकानदार ने महिलाओं से की अभद्रता

उन्नाव। सदर कोतवाली क्षेत्र के धवन रोड बाजार में एक कपड़ा दुकान पर महिलाओं से दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। एक महिला अपनी तीन बेटियों के साथ कपड़े खरीदने गई थी। दुकानदार ने उन पर चोरी का आरोप लगाया। आरोप के बाद दुकानदार ने महिला और उनकी बेटियों को दुकान में रोक लिया। उनके साथ मारपीट की और गाली-गलौज की। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो में दुकानदार और कुछ अन्य लोग महिलाओं से बदसलूकी करते दिख रहे हैं। महिलाओं से जबरन पैर छुआने का भी आरोप है। वीडियो में दावा किया जा रहा है कि दुकानदार समाजवादी पार्टी का स्थानीय नेता है। सदर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अवनीश सिंह ने बताया कि अभी तक पीड़िता की ओर से कोई शिकायत नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि शिकायत मिलने पर निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद सोशल मीडिया पर लोगों में आक्रोश है। महिला संगठनों ने इसे मानवाधिकारों का उल्लंघन बताया है। लोगों का कहना है कि चोरी के आरोप में भी कानून हाथ में लेने का अधिकार किसी को नहींभी कानून हाथ में लेने का अधिकार किसी को नहीं है। महिलाओं का सार्वजनिक अपमान गैरकानूनी और अमानवीय है।

नौकरी व शादी का झांसा देकर युवक ने युवती के साथ किया दुष्कर्म

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार अन्तर्गत एक युवती ने पुलिस अधीक्षक के नाम से थाना बिहार को तहरीर देते हुए आरोप लगाया कि उसे नौकरी दिलवाने का झांसा देकर शिवम पुत्र हरिशंकर निवासी ग्राम रामपुर थाना बीघापुर जनपद उन्नाव ने होटल ले जाकर दुष्कर्म किया। वह रिस्तेदारी में सगे मामा का लड़का है। नौकरी के बारे में पूछने पर बताया यहां लडकिया नेटवर्क मार्केटिंग का काम करती है। मेरे द्वारा इस नौकरी में मना करने के बाद उसने शादी करने का झांसा देकर मेरे साथ दुष्कर्म किया। वह मेरे घर भी आने जाने लगा।शादी के बारे में पूछने पर उसने मेरे घर आना जाना भी व फोन बंद कर दिया। किसी प्रकार फोन से संपर्क होने पर वह गंदी गंदी गालियां देकर जान से मारने की धमकी देने लगा और शादी करने से मना कर दिया। थाना प्रभारी राहुल सिंह ने बताया तहरीर प्राप्त हुई है जांच कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

विद्यालयों के मर्जर के विरोध में शिक्षकों ने धरा एक दिवसीय धरना

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जनपद व प्रदेश में कम छात्र संख्या वाले परिषदीय विद्यालयों के मर्जर/पेयरिंग के विरोध में एक दिवसीय धरना में शिक्षकों ने एक स्वर से विरोध दर्ज कराया। हजारों की संख्या में उपस्थित शिक्षकों ने उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले हुंकार भरी और मुख्यमंत्री को संबोधित दस बिंदुओं का एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। प्रदेश सरकार द्वारा 50 से कम छात्र संख्या वाले परिषदीय विद्यालयों को मर्जर/पेयरिंग करने वाली नीति के विरोध में हजारों शिक्षकों का सैलाब जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में उमड़ पड़ा। सभी वक्ता साथियों ने एकस्वर से मर्जर का विरोध किया और उसकी खामियां गिनाई। ज्ञापन में पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करने, विद्यालयों का मर्जर/पेयरिंग रोकने, पदोन्नति करने, सभी शिक्षकों को राज्य कर्मचारियों की भांति कैशलेश चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने, उपार्जित अवकाश, प्रतिकर अवकाश, द्वितीय शनिवार अवकाश, स्टड़ी लीव अवकाश दिए जाने, विद्यालय समयावधि 7:30 से 12:30 तक किए जाने, शिक्षकों को बीएलओ ड्यूटी से मुक्त किए जाने, आकांक्षी जनपदों से अंतर्जनपदीय स्थानांतरण कराए जाने समेत दस बिंदुओं का मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया। धरना की अध्यक्षता बृजेश पाण्डेय ने किया जबकि कुशल संचालन जिलामंत्री गजेंद्र वर्मा ने किया। अपने उद्बोधन में जिलाध्यक्ष ने शिक्षकों का इतिहास बताते हुए कहा कि पहले 1923 में अध्यापक मण्डल के रूप में संघर्ष हुआ, पुनः 1955-56 में फिर से बड़ा संघर्ष हुआ। इसके बाद बेसिक शिक्षा परिषद का गठन, निदेशालय का गठन, मृतक आश्रित नियुक्ति, पुरानी पेंशन व वेतन आयोग जैसी सफलताएं संघर्ष से ही मिला है। इसलिए आज फिर संघर्ष का दौर है। इस दौरान संजय सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सीनियर बेसिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष विकास मिश्रा, विनोद तिवारी, मदन पाण्डेय मीडिया प्रभारी, सूर्यकांत यादव, अजय कटियार, विश्वनाथ सिंह, अभिषेक मिश्र, श्यामू चौरसिया, विनोद सिंह, शशांक भूषण, तहसील प्रभारियों में शिवम चौरसिया पुरवा, देवेंद्र यादव बांगरमऊ, अरविंद सिंह हसनगंज, महेंद्र कुमार सदर, सत्यप्रकाश द्विवेदी सफीपुर, विकास सिंह, संदीप द्विवेदी, संजय द्विवेदी, फूलचंद्र, रामकरन मौर्या, सहदेव, रामबाबू, संतोषी नंदन शुक्ल, आलोक अवस्थी, अजय चौरसिया आदि हजारों की संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल हुए।

धार्मिक पर्वों को लेकर डीएम की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। आगामी धार्मिक पर्वों की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के प्रमुख नागरिक, धर्मगुरु और जिला स्तरीय अधिकारी शामिल हुए। डीएम ने कांवड़ यात्रा मार्गों पर विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इनमें प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा, यातायात नियंत्रण और साफ-सफाई शामिल हैं। घाटों पर बैरीकेटिंग, नाविक और गोताखोरों की तैनाती की जाएगी। नानामऊ घाट, परियर घाट, नमामि गंगे घाट, गंगा घाट, चंदन घाट और बक्सर घाट से शुरू होने वाले कांवड़ मार्गों पर मांस और मदिरा की दुकानों पर रोक रहेगी। प्रमुख चौराहों पर चिकित्सा टीम, एम्बुलेंस और पुलिस बल तैनात किए जाएंगे।श्रावण मास के दौरान शिवालयों में लगने वाले मेलों में भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। कांवड़ यात्रा मार्गों पर राहत शिविर लगाए जाएंगे। जिलाधिकारी ने सभी से अपील की है कि त्योहारों को शांति, सौहार्द और परंपराओं के अनुरूप मनाया जाए। उन्होंने कहा कि उन्नाव का आपसी सौहार्द और मेल-जोल का इतिहास समृद्ध रहा है। उन्होंने सभी नागरिकों से किसी की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए प्रेम और भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की अपील की है। लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड में रहे और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि/रा) सुशील कुमार गोंड, एडीएम (न्यायिक) अमिताभ यादव, एडीएम (नमामि गंगे) विदेश, एएसपी प्रेम चंद्र, सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राज, सीओ सदर सोनम सिंह, समस्त उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारीगण, अन्य प्रशासनिक अधिकारी एवं विभिन्न समुदायों व संगठनों के संभ्रांत लोग उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा के मार्गो पर पड़ने वाली दुकानों की होगी जांच

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। सावन में बड़ी संख्या में कांवड़ यात्रियों की आवाजाही को देखते हुए प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में जिलाधिकारी गौरांग राठी के निर्देश पर कांवड़ यात्रा मार्गों पर लगने वाली दुकानों की जांच को लेकर उप जिलाधिकारी प्रमेश श्रीवास्तव ने सख्त कदम उठाए हैं। उन्होंने संबंधित मार्गों पर दुकानों की दर सूची (रेट लिस्ट), सामग्री का विवरण और साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित कराने के लिए एक संयुक्त टीम गठित की है। यह टीम क्षेत्र में स्थलीय निरीक्षण कर यात्रियों को दी जाने वाली वस्तुओं की गुणवत्ता और मूल्य नियंत्रण की स्थिति की निगरानी करेगी। एसडीएम पुरवा द्वारा जारी आदेश के अनुसार गठित संयुक्त टीम में नायब तहसीलदार कृष्णानन्द बाजपेयी, संबंधित थाना या कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक तथा खाद्य विपणन अधिकारी पुरवा को शामिल किया गया है। यह टीम कांवड़ मार्गों पर दुकानों की जाँच कर तयशुदा दरों पर सामग्री उपलब्ध कराने, सामान की गुणवत्ता की जांच करने और साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होगी।एसडीएम प्रमेश श्रीवास्तव ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि निरीक्षण के दौरान प्रत्येक दुकान पर रेट लिस्ट का प्रदर्शन अनिवार्य रूप से किया जाए। साथ ही दुकानदार स्वच्छता का भी विशेष ध्यान रखें ताकि श्रृद्धालु यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। संयुक्त टीम को निर्देशित किया गया है कि निरीक्षण के उपरांत अपनी रिपोर्ट संयुक्त रूप से एसडीएम के समक्ष प्रस्तुत करें। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा शिथिलता कदापि क्षम्य नहीं होगी।

पांच हजार वाले आबादी गांव हुए चिन्हित लगेंगे सोलर संयंत्र

अमन लेखनी समाचार

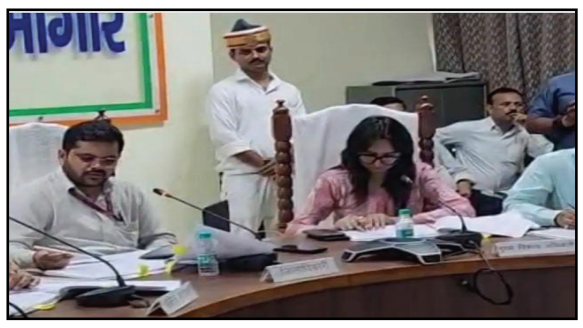

उन्नाव। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को लेकर विकास भवन में समीक्षा बैठक हुई। मुख्य विकास अधिकारी कृति राज की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में योजना की प्रगति और सोलर रूफटॉप मॉडल की स्थापना पर चर्चा की गई। यूपी नेडा के प्रभारी परियोजना अधिकारी ने बताया कि सरकार लाभार्थियों को सोलर संयंत्र लगाने के लिए अनुदान दे रही है। सीडीओ ने इम्पैनल्ड फर्मों के प्रतिनिधियों से योजना के क्रियान्वयन पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम में आ रही समस्याओं के समाधान के लिए अधिशासी अभियंताओं को निर्देश दिए गए।योजना के तहत जनपद में एक मॉडल सोलर गांव का चयन होगा। इसमें 5 हजार से अधिक आबादी वाले गांव को प्राथमिकता दी जाएगी। जनपद में 59 राजस्व गांवों की पहचान की गई है। इन गांवों में पारंपरिक ऊर्जा की जगह सौर ऊर्जा को बढ़ावा दिया जाएगा।ग्रामीणों को योजना की जानकारी देने के लिए 8 और 15 जुलाई को विशेष जागरूकता शिविर लगेंगे। इनमें सोलर संयंत्र की उपयोगिता, स्थापना प्रक्रिया और आर्थिक लाभों की जानकारी दी जाएगी। सीडीओ ने कहा कि यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण में मददगार होगी। बैठक में ऊर्जा विभाग, नेडा, इम्पैनल्ड कंपनियों के प्रतिनिधि और जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद थे।

तिलहन योजनांतर्गत क्लस्टर बनाकर कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा किया गया तिल के बीज का वितरण

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। कृषि विज्ञान केंद्र धौरा उन्नाव द्वारा भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही तिलहन योजना अंतर्गत जिले के तीन ब्लाकों बांगरमऊ, सफीपुर एवं फतेहपुर - 84 के अलग-अलग तीन गांवों ढ़ोलौवा, कटिघरा एवं मऊ मंसूरपुर में क्लस्टर बनाकर कुल 53 किसानों को समूहबध्य अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन हेतु तिल के बीज एवं अन्य इनपुट का वितरण किया गया साथ ही साथ केंद्र के वैज्ञानिक डॉ धीरज कुमार तिवारी द्वारा प्रगतिशील कृषकों को तिल की वैज्ञानिक खेती हेतु जानकारियां दी गई। समय पर बीज पाकर किसानों के चेहरे पर खुशी झलकने लगी और किसानों ने बताया की कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा समय पर बीज मिलने से हम सभी समय से बुआई करके फसल का अच्छा उत्पादन ले सकेंगे। सुनील सिंह ने किसानों को अपने खेत में फसल उत्पादन हेतु सड़ी हुई गोबर की खाद का उपयोग करने का सलाह दिया।

अवैध खनन पर की गई कार्यवाही, 7 डंपर पकड़े

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जनपद में अवैध खनन और बिना अनुमति खनिज परिवहन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। खनन विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सात डंपरों पर शिकंजा कसा, जिनमें से तीन डंपरों को मौके पर ही सीज कर दिया गया, जबकि चार अन्य डंपरों का ऑनलाइन चालान किया गया। खनन निरीक्षक प्रांजुल सिंह के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। टीम ने लखनऊ-कानपुर हाईवे समेत जिले के विभिन्न मार्गों पर चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान कई ऐसे वाहन पकड़े गए जो या तो बिना परमिट खनिज का परिवहन कर रहे थे या फिर निर्धारित मात्रा से अधिक खनिज लेकर चल रहे थे। कार्रवाई के दौरान खनन विभाग की टीम ने मौके पर ही तीन डंपरों को जब्त कर लिया और संबंधित थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया। वहीं चार अन्य डंपरों का ई-चालान कर उनसे भारी भरकम जुमार्ना वसूला गया। विभाग के अनुसार कुल मिलाकर तीन लाख 70 हजार रुपये का राजस्व सरकार के खाते में जमा कराया गया है।खनन निरीक्षक प्रांजुल सिंह ने बताया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। अवैध खनन या नियमों के विरुद्ध खनिज का परिवहन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि चाहे कोई प्रभावशाली व्यक्ति ही क्यों न हो, नियमों का उल्लंघन करने पर बख्शा नहीं जाएगा। कई वाहनों में वैध दस्तावेज नहीं लखनऊ-कानपुर हाईवे पर बीते कुछ समय से खनिज लदे भारी वाहनों की संख्या में इजाफा हुआ है। इनमें से कई वाहन बिना वैध दस्तावेजों के चल रहे हैं, जिससे शासन को राजस्व की हानि हो रही है और सड़क सुरक्षा पर भी खतरा मंडरा रहा है। खनन विभाग की इस कार्रवाई के बाद वाहन चालकों और खनिज कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। जिले में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में डंपरों पर एक साथ कार्रवाई हुई है।

गिरावट के बाद फिर बढ़ा गंगा नदी का जलस्तर

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। गंगा नदी का जलस्तर एक बार फिर बढ़ने लगा है। दो दिन की लगातार गिरावट के बाद मंगलवार को जलस्तर बढ़कर 110.390 मीटर पर पहुंच गया। यह चेतावनी बिंदु से 61 सेंटीमीटर नीचे है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, शनिवार शाम को गंगा का जलस्तर 110.490 मीटर था। रविवार शाम तक यह घटकर 110.090 मीटर हो गया। सोमवार को भी गिरावट जारी रही। लेकिन मंगलवार को स्थिति बदल गई।पश्चिमी क्षेत्र के बांधों से छोड़े गए पानी का असर गंगा के जलस्तर पर दिख रहा है। नगर क्षेत्र के गंगाघाट, बालूघाट और शुक्लागंज घाट तक पानी पहुंच गया है।प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। जल पुलिस को सक्रिय कर दिया गया है। नाविकों को घाटों पर विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। तटवर्ती क्षेत्र के लोगों को अफवाहों से बचने की सलाह दी गई है। जल आयोग का पूवार्नुमान है कि मौसम की स्थिति और बांधों से छोड़े जा रहे पानी के कारण अगले कुछ दिनों तक गंगा में जलस्तर का उतार-चढ़ाव जारी रहेगा।

अज्ञात वाहन ने कार को मारी टक्कर, महिला की मौत

अमन लेखनी समाचार

औरास, उन्नाव। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर दिपवल गांव के पास मंगलवार सुबह करीब 5 बजें एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। खाटू श्याम मंदिर से वापस सुल्तानपुर जा रहे एक परिवार की कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में कार में सवार दिव्या गुप्ता (40) की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार किसी अज्ञात वाहन से टकराकर गाड़ी पलटी थी हादसा एक्सप्रेसवे के किलोमीटर संख्या 262 के पास हुआ। कार गणेश अग्रहरि (44) चला रहे थे। दुर्घटना में गणेश के साथ उनके बेटे युग गुप्ता (18) और बेटी याना गुप्ता (10) भी घायल हो गए।सूचना मिलते ही थाना प्रभारी भवन सिंह मौर्य मौके पर पहुंचे। मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। गंभीर रूप से घायल गणेश अग्रहरि और युग गुप्ता को बेहतर इलाज के लिए लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी रेफर किया गया। सभी लोग सुल्तानपुर के गल्लामंडी कोतवाली क्षेत्र के रहने वाले हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि लखनऊ आगरा एक्सप्रेसवे पर लगातार हादसे होते रहते हैं लेकिन यूपीडा जरा सा भी ध्यान नहीं देता है इससे कहीं ना कहीं कोई पति अपनी पत्नी को खोता है कोई भाई अपने भाई को खोता है कोई मां अपने बेटे या बेटी को खोती होती है तो वही बच्चे अपने पिता या माता को खो देते हैं आखिर इन सब का जिम्मेदार है कौन क्या इन मासूमों की क्या है कोई गलती, यूपीडा, एक्सप्रेस वे पर लगे कैमरे स्पीड कंट्रोलर व गश्ती दल क्या सिर्फ अपनी ही गस्ती में मस्त रहती है।

भतीजी को बचाने में बुआ गंगा नदी में डूबी, तलाश जारी

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। थाना क्षेत्र के एक दुखद घटना में, गांव के किनारे गंगा नदी में नहाते समय एक किशोरी अपनी भतीजी को बचाने की कोशिश में डूब गई। । फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र के धन्नापुरवा गांव में हुई है। जहां एक किशोरी गंगा नदी में नहा रही थी। नदी के किनारे नहाते समय, उसकी भतीजी डूबने लगी। अपनी भतीजी को बचाने के लिए, किशोरी ने नदी में छलांग लगा दी, भतीजी को डूबता देख गांव वाले दौड़े और उसको बचाने में कामयाब रहे किंतु किशोरी को स्थानीय लोगों और गोताखोरों की मदद से अभी तक खोजा जा रहा है। मंगलवार सुबह आठ बजे धन्नापुरवा गांव निवासी रामपाल की 17 वर्षीय पुत्री शबनम गांव किनारे गंगा नदी में अपनी भतीजी 5 वर्षीय सुमिरन के साथ नहाने गई थी.सुमिरन को डूबता देख शबनम बचाने के लिए छलांग लगा दी.इस दौरान गांव वालों ने भतीजी को तो बचा लिया किन्तु अभी तक किशोरी को कोई अता पता नहीं चल सका है।सूचना पर स्थानीय प्रशासन और एसडीएम मौके पर पहुंचकर घटना स्थल की जांच कर रहे हैं।वही परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि गोताखोरों की मदद से ढूंढने का प्रयास किया जा रहा है।

बाढ़ की समस्या को लेकर एसडीएम ने की बैठक

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बारासगवर थाना क्षेत्र के बक्सर स्थित मां चंडिका देवी दरबार में गुरु पूर्णिमा पर गंगा स्नान करने आने वाले लोगों तथा बाढ़ से होने वाली दिक्कतों को लेकर एसडीएम ने स्थानीय लोगों के साथ बैठक की। सुझाव लेकर कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एस डी एम रणबीर सिंह ने मंगलवार को सत्संग हॉल में स्थानीय लोगों व गंगा के किनारे रहने वाले नागरिकों तथा पण्डो के साथ बैठक की। एसडीएम ने सभी लोगों से सुझाव लिए। एसडीएम ने लेखपाल कानूनगो को गुरु पूर्णिमा तथा बाढ़ के मामले में पूरी तरह से सतर्क रहने के निर्देश दिए वहीं थाना अध्यक्ष धर्मेंद्र नाथ मिश्रा से कहा कि गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गंगा में बढ़ रहे जलस्तर को लेकर पूरी तरह से सतर्क रहकर लोगों को गहरे में पानी में स्नान करने से रोके। स्थानीय नाविको व स्थानीय गोताखोरों से कहा कि जहां तक संभव हो सके मां चंडिका देवी दरबार के सामने और बगल के घाटों पर रहकर पुलिस की मदद करें। बैठक में थाना अध्यक्ष धर्मेंद्र नाथ मिश्रा,डिंपल पंडा , चंदन दुबे ,गौरव आदि रहे।

बाइक सवार दो सगे भाइयों को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, एक की मौत, दूसरा घायल

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। कस्बे में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया राहगीरों की सूचना पर पुलिस ने घायल को सीएचसी लेकर गई जहां गंभीर हालत देख डाक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई।सफीपुर थाना क्षेत्र के मेहंदी खेड़ा गांव निवासी रामबिलास 45 वर्ष पुत्र राम चंद्र मंगलवार सुबह 11 बजे अपने छोटे भाई गुड्डू के साथ बाइक से लखनऊ जा रहा था तभी हसनगंज कस्बे में जिओ आफिस के पास लखनऊ की तरफ जा रहे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी इससे दोनो युवक गंभीर रूप घायल हो गए राहगीरों की सूचना पर पुलिस ने दोनो घायलों को सीएचसी लेकर गई जहा डाक्टर ने एक युवक राम बिलास की हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया जहा इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक का छोटा भाई गुड्डू को मामूली घायल होने से डाक्टर ने छुट्टी दे दी।मृतक का छोटा भाई गुडडू ने बताया सफीपुर की एक कंपनी में मजदूरी करता था मृतक के दो बेटी, एक आठ वर्ष का बेटा है मृतक की पत्नी सहित अन्य परिजनो का रो रो कर बेहाल है कोतवाली प्रभारी संदीप शुक्ला ने बताया कि अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हुई है।

धागा कारखाने से हुई चोरी का पुलिस ने किया खुलासा, दो गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

औरास, उन्नाव। गोविंदनगर हंसखेड़ा निवासी प्रमोद कुमार गौतम के धागा कारखाने में हुई चोरी का मामला सुलझा लिया गया है। औरास पुलिस ने मंगलवार को दो चोरों को गिरफ्तार कर लिया है।प्रमोद कुमार ने औरास थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके बड़ा देव तोंदा स्थित कारखाने से धागा बनाने के उपकरण समेत कई सामान चोरी हो गए थे। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर नेहरा बाबा मंदिर के पास बाबू खेड़ा अंडरपास से दो संदिग्धों को पकड़ा। पकड़े गए आरोपी भागने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने उनके पास से चोरी का सामान बरामद किया। बरामद सामान में 12 वोल्ट की बैटरी, इंब्रॉयडरी मशीन, स्टेबलाइजर और एक टूल बॉक्स शामिल है।पकड़े गए चोरों में संदीप सिंह यादव 26 व चंदन सिंह यादव 24 पुत्र पुतान सिंह यादव निवासी बाबू खेड़ा मजरा बड़ा देव तोंदाइस कार्रवाई में उपनिरीक्षक साजिश कुमार, कांस्टेबल संजय यादव और निक्कू राजभर की टीम शामिल रही।

सम्पादकीय

पाकिस्तानी कंधे पर थी चीनी व तुर्किये बंदूक

अपनी रक्षा तैयारियों में अब भारत को खास ध्यान रखना होगा कि कोई भी सैन्य संघर्ष केवल उसी देश से नहीं होगा, बल्कि इसमें दूसरे भी शामिल हो सकते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के वक्त देखा गया कि पाकिस्तान को चीन खुलकर मदद कर रहा था। वह इस सैन्य संघर्ष में अपने हथियारों की टेस्टिंग कर रहा था। चीन के अलावा तुर्किये भी पाकिस्तान को ड्रोन व अन्य हथियार मुहैया करा रहा था। कूटनीतिक हलके में यह बात पहले से ही कही जा रही थी, अब सेना ने भी इस नजरिये पर मुहर लगा दी है। उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर. सिंह के मुताबिक, चीन ने मई में भारत-पाकिस्तान के बीच हुए चार दिवसीय सशस्त्र संघर्ष को विभिन्न हथियार प्रणालियों के परीक्षण के लिए एक 'प्रयोगशाला' की तरह इस्तेमाल किया और दूसरे के कंधे पर बंदूक रखकर दुश्मन को मारने की प्राचीन सैन्य रणनीति के अनुरूप, इस्लामाबाद को हरसंभव सहायता प्रदान की। पाकिस्तान जहां सिर्फ सामने का चेहरा था, वहीं चीन अपने सदाबहार मित्र को हरसंभव सहायता दे रहा था, और तुर्किये भी इस्लामाबाद को सैन्य साजोसामान की आपूर्ति करके प्रमुख भूमिका निभा रहा था। संघर्ष के दौरान भारत वास्तव में कम से कम तीन शत्रुओं से निपट रहा था। चीन भारतीय सैन्य एक्शनों की लाइव जानकारी पाकिस्तान को दे रहा था। चीन अपने उपग्रहों का उपयोग भारतीय सैन्य तैनाती की निगरानी के लिए कर रहा था, क्योंकि पाकिस्तानी सेना को डीजीएमओ (सैन्य अभियान महानिदेशक) स्तर की फोन वार्ता के दौरान इसके बारे में सीधी जानकारी मिल रही थी। चीन की 36 चालों की प्राचीन सैन्य रणनीति रही है और दूसरे के कंधे पर बंदूक रखकर दुश्मन को मारने की नीति पुरानी है। बीजिंग ने भारत को नुकसान पहुंचाने के लिए पाकिस्तान को हरसंभव समर्थन दिया। 'दूसरे के कंधे पर बंदूक रखकर' दुश्मन को मारने का मतलब है कि दुश्मन को पराजित करने के लिए, सीधे शामिल हुए बिना, किसी तीसरे पक्ष का इस्तेमाल करना। कहने का तात्पर्य कि चीन ने पाकिस्तान को भारत के खिलाफ इस्तेमाल किया। जैसे यूक्रेन और रूस के बीच जारी जंग में अमेरिका व रूस के यूरोपीय शत्रु ने यूक्रेन के कंधे पर बंदूक रखकर मास्को को मात देने की कोशिश कर रहे हैं। इस्लामाबाद को बीजिंग का समर्थन आश्चर्यजनक नहीं है, क्योंकि पिछले पांच वर्षों के आंकड़े देखें, तो पाकिस्तानी सशस्त्र बलों का 81 प्रतिशत सैन्य साजोसामान चीन से आ रहा है। चीन उत्तरी सीमा पर खुद सीधे टकराव में पड़ने के बजाय भारत को नुकसान पहुंचाने के लिए पड़ोसी देश पाकिस्तान का इस्तेमाल करना ज्यादा पसंद करता है। पाकिस्तान के साथ इस सैन्य संघर्ष से भारत को सबक सीखने की जरूरत है कि भारत का मुकाबला पाक के अलावा चीन व तुर्किये से भी होगा। भारत के लिए अगला महत्वपूर्ण सबक सी4आईएसआर (कमांड, कंट्रोल, कम्यूनिकेशन, कंप्यूटर, इंटेलिजेंस, सर्विलांस और रीकानिसन्स) और नागरिक-सैन्य संलयन का महत्व है। अभी इस क्षेत्र में बहुत कुछ किया जाना बाकी है। अब तक यह साफ हो चुका है कि भारत की आक्रामक ऑपरेशन सिंदूर कार्रवाई के चलते पाकिस्तान को लड़ाई समाप्त करने की गुहार लगाने पर मजबूर होना पड़ा था। इसमें अमेरिका की कोई भूमिका नहीं थी, जैसा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था। हमें अब सैन्य व कूटनीतिक रूप से अधिक चौकस रहने की जरूरत है और अपनी सैन्य तैयारियों को अलर्ट मोड पर रखने की आवश्यकता है।

शिवप्रकाश

डॉ. मुखर्जी लाए थे शिक्षा क्षेत्र में सुधार

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म 6 जुलाई 1901 को सर आशुतोष मुखर्जी एवं जोगमाया देवी के परिवार में कलकत्ता में हुआ था। डॉ. श्यामा प्रसाद अपने माता-पिता की सात संतानों में से दूसरी संतान थे। डॉ. मुखर्जी कुशाग्र बुद्धि एवं प्रखर विद्वान थे। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद वे कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे कम उम्र के कुलपति बने एवं कुलपति के दायित्व का दो बार निर्वहन किया। कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति रहते हुए उन्होंने शिक्षा क्षेत्र में अनेक मौलिक सुधार किए। उस समय देश अंग्रेजी दासता के अधीन था।

उन्होंने शिक्षा को स्वाभिमान के साथ जोड़ा। कलकत्ता विश्वविद्यालय में अंग्रेजों की गुलामी के प्रतीक चिन्ह को बदलकर पूर्ण खिलते कमल के मध्य "श्री" लिखवाया, जो भारतीय संस्कृति का प्रतीक है। उस समय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह अंग्रेजी भाषा में होते थे। 1937 के दीक्षांत समारोह में उन्होंने गुरुवर रवींद्रनाथ ठाकुर को बुलाया। रवींद्रनाथ ठाकुर ने नई परंपरा प्रारंभ करते हुए अपना भाषण बांग्ला भाषा में दिया। महिला शिक्षा में वृद्धि, भारतीय विद्वानों को अवसर, भारतीय संस्कृति का समावेश, शिक्षा क्षेत्र में उनके द्वारा की गई पहल है। 1929 कलकत्ता विश्वविद्यालय चुनाव क्षेत्र से वह बंगाल विधान परिषद में गए। बंगाल में मुस्लिम लीग एवं कृषक प्रजा पार्टी की गठबंधन सरकार द्वारा हिंदू समाज के उत्पीड़न के विरोध के लिए उन्होंने राजनीतिक क्षेत्र में प्रवेश किया था। हिंदू समाज के संरक्षण का यह कार्य वह अपने मृत्यु पर्यंत करते रहे। बाद में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी हिंदू महासभा से जुड़े एवं उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष भी बने। तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. सुहरावर्दी भाषा के नाम पर संयुक्त बंगाल का नारा दे रहे थे। उनकी योजना थी कि बंगाल का विभाजन नहीं होगा एवं संपूर्ण बंगाल पाकिस्तान के साथ चला जाएगा। अज्ञानतावश कुछ कांग्रेस नेता भी इसका समर्थन कर रहे थे। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने इस षड्यंत्र को समझा एवं उद्घोष किया कि "न तो हम पाकिस्तान में रहेंगे, न संयुक्त बंगाल में। हम भारत का हिस्सा हैं और भारत के ही साथ रहेंगे।" इसके लिए उन्होंने तीव्र आन्दोलन खड़ा किया। कांग्रेस के नेताओं एवं लार्ड माउंटबेटन को पत्र एवं संवाद के द्वारा यह समझाने में सफलता प्राप्त की कि यदि पंजाब विभाजन संभव है तो बंगाल क्यों नहीं।

आज हम गर्व के साथ यह अनुभव कर सकते हैं कि यदि डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी नहीं होते तो बंगाल भारत में नहीं होता। इस संकट की अनुभूति हमको इससे और अधिक तब हो सकती है जब हम आज बांग्लादेश में होने वाली घटनाओं के साथ इसकी तुलना करें। जहां न तो हिंदू सुरक्षित है और न ही उनकी आराध्य मां काली और उनका मंदिर। बांग्लादेश को उसका राष्ट्रगीत देने वाले गुरुवर रवींद्रनाथ ठाकुर की प्रतिमा भी तोड़ी जा रही है। जो अपने पितृपुरुष बंगबंधु मुजीबुर रहमान को ही स्वीकार नहीं कर रहे, वह हिंदू समाज को कैसे करेंगे। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपनी दूर दृष्टि से इसे पहचाना था। आज यदि बंगाल हमारे पास न होता तब भारत का उत्तर पूर्व का भाग भी हमारे साथ नहीं होता है। आज भारत को जोड़ने वाले चिकन नेक के सामरिक महत्व को हम सभी समझ रहे हैं। आर्थिक दृष्टि से बंगाल की खाड़ी का महत्व कलकत्ता के साथ जोड़कर ही देखा जा

सकता है। जिस खतरे का डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने अनुमान कर अपनी दूर दृष्टि से बंगाल को भारत के साथ रख कर दिया। आज वह संकट बंगाल में हम सभी के सम्मुख खड़ा दिखाई दे रहा है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी प्रधानमंत्री नेहरू सरकार में उद्योग मंत्री थे। भारत विभाजन के समय पाकिस्तान में रह रहे हिंदुओं का मतान्तरण, अत्याचार एवं भारत में आए शरणार्थी हिंदुओं की उपेक्षा के कारण वह बहुत दुखी थे। समस्या के समाधान के लिए नेहरु लियाकत समझौता भी पक्षपात पूर्ण होने के कारण उन्होंने हिंदुओं के प्रति नेहरू सरकार के उपेक्षापूर्ण व्यवहार के कारण अपना त्यागपत्र दे दिया और कलकत्ता आकर शरणार्थी हिंदू समाज की सेवा में जुड़ गए।

उद्योग मंत्री रहते हुए 1948 में भारतीय उद्योग नीति का निर्माण किया। औद्योगिक वित्त की व्यवस्था करते हुए उन्होंने इंडस्ट्रियल फाइनेंस कारपोरेशन ऑफ़ इंडिया की भी 1948 में स्थापना की। आत्मनिर्भरता के मंत्र से युक्त औद्योगिक नीति उन्होंने दी। चार क्षेत्र रक्षा, परमाणु ऊर्जा, रेलवे एवं वायुसेवा उनके फोकस क्षेत्र थे। चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स, हिंदुस्तान एयरक्राफ्ट फैक्ट्री (एचएएल) सिन्दरी फर्टिलाइजर्स प्लांट धनबाद, दामोदर घाटी परियोजना, हीराकुंड बांध, भिलाई स्टील प्लांट उनके द्वारा स्थापित प्रसिद्ध उद्योग हैं, जो देश के विकास में आज भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी केवल राजनेता नहीं समाज के प्रति संवेदनशील एवं सेवाभावी नेता थे। 1943 में बंगाल में भीषणतम अकाल आया। इस अकाल में लगभग 30 लाख लोगों के मरने का अनुमान था। यह अकाल केवल प्राकृतिक आपदा नहीं, ब्रिटिश शासन की विफलताओं के कारण आया था। प्रशासन भी अन्न राहत देने के स्थान पर पक्षपातपूर्ण व्यवहार कर रहा था एवं सामान्य जनता को भगवान भरोसे ही छोड़ दिया था। उन्होंने इस समय ब्रिटिश सरकार एवं तत्कालीन मुख्यमंत्री की असफल नीतियों का प्रचंड विरोध किया। स्वयं समाज से सहायता सामग्री एकत्रित कर सेवा एवं राहत कार्यों का नेतृत्व किया। अकाल पीड़ितों की सेवा में इतने मग्न हो गए थे कि अपनी पुत्री के विवाह के समय पिता द्वारा होने वाले रस्म "संप्रदान" के समय भी उपस्थित नहीं रह पाए। स्वतंत्रता के पश्चात देश को राष्ट्रवादी नीतियों, लोकतंत्र की रक्षा के लिए उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना की।

स्थापना के समय उन्होंने कहा कि "हमें कांग्रेस के राष्ट्रवादी विकल्प की जरूरत है।" प्रथम संसद में उन्होंने नेहरु जी के तानाशाही पूर्ण मनोवृति का विरोध करने के लिए संयुक्त गठबंधन बनाया था। वह नेशनल डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी)कहलाता था, जिसमें 34 सांसद लोकसभा एवं 20 सांसद राज्यसभा के थे, तब नेहरू जी ने कहा था 'मैं जनसंघ को कुचल दूंगा।" इस पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने दृढ़ता से उत्तर दिया, "मैं इस कुचलने वाली मानसिकता को ही कुचल दूँगा।' यह उनकी लोकतंत्र में आस्था एवं साहस का परिचायक है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाबोधि सोसाइटी के 1942 से 1953 तक अध्यक्ष रहे। अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन 1952 में सारिपुत्र एवं महामोगलन की अस्थियों के पवित्र भाग को सांची में स्थापित कराने वाले वह प्रमुख व्यक्ति थे। उन्होंने बौद्ध धर्म के लिए म्यांमार (बर्मा), वियतनाम और थाईलैंड की यात्रा की । धारा 370 की समाप्ति एवं एक देश के अंदर "दो निशान, दो प्रधान, दो विधान" नहीं चलेंगे का उद्घोष करने वाले राष्ट्रीय एकता के वे अखंड पुजारी थे। इसी संकल्प की पूर्ति के लिए 23 जून 1953 को अपना बलिदान देकर वह हमारे मध्य से चले गए। आज राष्ट्र उनके संकल्प की पूर्ति कर उनके जन्म दिवस पर उनको अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है ।

सहकारिता दिवस

विवेक शुक्ला

सहकारी समितियां बदल रहीं महिलाओं की जिंदगी

हाल ही में राजधानी के दिल्ली हाट में एक कश्मीरी महिला व्यवसायी खदीजा भट्ट बता रही थीं कि वे सारे भारत में कश्मीरी हस्तशिल्प और दूसरा सामान बेचकर बेहतर जिंदगी गुजार रही हैं। यह इसलिए संभव हो रहा क्योंकि वे एक सहकारी संगठन के तहत काम करती हैं। भारत में सहकारिता आंदोलन से लाखों महिलाओं के जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन आया है। यह आंदोलन, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता, सामाजिक सशक्तिकरण और आत्मविश्वास प्रदान कर रहा है। सहकारी समितियों के माध्यम से महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषि, दुग्ध उत्पादन, हस्तशिल्प, और सूक्ष्म वित्त में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं। सहकारी समितियों ने महिलाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए हैं। उदाहरण के लिए, अमूल जैसी दुग्ध सहकारी समितियों में लाखों महिलाएं दूध उत्पादन और वितरण से जुड़ी हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हुई है। फिलहाल देश में 8 लाख से अधिक पंजीकृत सहकारी समितियां हैं, जिनसे लगभग 30 करोड़ लोग जुड़े हैं। 20% कृषि ऋण, 35% उर्वरक वितरण और 31% चीनी उत्पादन अब सहकारी संगठनों द्वारा संभाला जाता है। इसके अलावा, डेयरी सहकारी समितियां भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 4.5% का योगदान देती हैं। अनुमान है कि 2030 तक सहकारी क्षेत्र 11 करोड़ से अधिक रोजगार के अवसर प्रदान करेगा, जिसमें प्रत्यक्ष और स्व-रोजगार दोनों शामिल हैं। दरअसल केन्द्र की मोदी सरकार द्वारा सहकारिता के माध्यम से विकास का यह मॉडल न केवल कश्मीर में बल्कि पूरे देश में सफल हो रहा है। कुछ साल पहले तक ग्रामीण भारत में सबसे बड़ी समस्या यह थी कि छोटी-बड़ी जरूरतों के लिए लोगों को साहूकारों से कर्ज लेना पड़ता था और उसका बड़ा हिस्सा बिचौलियों को देना पड़ता था। लेकिन अब उन्हें इससे राहत मिल रही है। आज, दिल्ली से दूर राज्यों में रहने वाली आदिवासी महिलाएं भी सहकारी समितियों के माध्यम से अपने घरेलू खर्च आसानी से चला सकती हैं। वे पोल्ट्री, डेयरी और कृषि के जरिए सालाना 1.5 से 2 लाख रुपये कमा रही हैं। सहकारी समितियों से जुड़े स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से उन्हें आसान शर्तों पर कर्ज मिल रहा है, जिससे वे अपने व्यवसाय को बढ़ा रही हैं और अपने बच्चों के लिए बेहतर भविष्य बना रही हैं। पिछले एक दशक में सहकारी आंदोलन ने लंबी छलांग लगाई है, लेकिन कुछ चुनौतियां अभी भी बाकी हैं, जैसे भ्रष्टाचार, प्रबंधन की कमियां और कुछ क्षेत्रों में जागरुकता की कमी। सहकारिता मंत्री अमित शाह ने इन समस्याओं से निपटने के लिए सख्त कदम उठाए हैं, जैसे सहकारी समितियों में ऑडिट और जवाबदेही अनिवार्य करना।

दरअसल देश के सहकारिता क्षेत्र में बदलाव की बयार बहने की शुरुआत नरेंद्र मोदी ने तब कर दी थी जब उन्होंने ग्रामीण विकास में सहकारिता के महत्व को समझते हुए इसके लिए एक अलग मंत्रालय बनाया। फिर अपने सबसे भरोसेमंद सहयोगी अमित शाह को इसका मंत्री नियुक्त किया। जानकार जानते हैं कि 2014 से पहले सहकारी संगठनों से लोग निराश थे। सहकारी समितियां भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुकी थीं। उनके कामकाज में पारदर्शिता की कमी थी, लेकिन इस मंत्रालय ने अब एक सुसंगत, आधुनिक और डेटा-आधारित सहकारी संगठन का मॉडल स्थापित किया है। जम्मू-कश्मीर में सहकारी आंदोलन का विस्तार, खासकर 2014 के बाद, विशेष रूप से उल्लेखनीय है। अनुच्छेद 370 के हटने के बाद, इस क्षेत्र में आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए सहकारिता को एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में देखा गया है। जम्मू-कश्मीर में सेब, केसर और अखरोट जैसे स्थानीय उत्पादों के लिए सहकारी समितियां बनाई गई हैं। इन समितियों ने किसानों को बेहतर बाजार, भंडारण सुविधाएं और उचित कीमतें दिलाने में मदद की है। अमित शाह ने सहकारी सम्मेलनों में जोर दिया है कि कश्मीर जैसे क्षेत्रों में सहकारिता छोटे किसानों और कारीगरों को सशक्त बनाने का एक प्रभावी तरीका है। इससे न केवल आर्थिक विकास हुआ है, बल्कि सामाजिक एकता भी मजबूत हुई है।

आवश्यकता से अधिक मंथन से विष ही निकलता है

संकलित

दर्शन

व्यक्ति को कर्मशील रहना चाहिए, मगर सहज संतुलन भी आवश्यक है। आज की युवा पीढ़ी अधिक व्यस्त है। उसकी इतनी व्यस्तता चिंता का कारण है। व्यस्तता का बड़ा कारण तकनीक का अधिक प्रयोग भी है। युवा चिंतन में लगे रहते हैं। कम समय में अधिक से अधिक काम करना चाहते हैं। समुद्र मंथन का कार्य तो भलाई के लिए हो रहा था और रत्न निकल भी रहे थे, परंतु न तो देवताओं को संतोष था और ना ही असुरों को। अधिक से अधिक रत्न निकालने की चाह में मंथन होता गया और एक समय ऐसा आया, जब विष निकलने लगा, जिसे पीने को कोई तैयार नहीं था। सब त्राहि-त्राहि करते हुए भगवान शिव के पास पहुंचे। भगवान शिव ने विष को पिया और श्रीराम का नाम लिया। युवा नई तकनीक का प्रयोग करें, खोज करें, लेकिन आवश्यकता से अधिक चिंतन न करें। लगातार नई तकनीक में डूबे रहने की आदत का प्रभाव नकारात्मक होता है। आवश्यकता से अधिक मंथन से विष ही निकलता है। आज के समय में विष क्या है? काम, क्रोध, लोभ और मोह तो फिर भी कुछ न कुछ अंश में सांसारिक जीवन के भाग हैं। प्रत्येक व्यक्ति में इसका कुछ भाव होना स्वाभाविक है, लेकिन ईर्ष्या, द्वेष व निंदा का जीवन में कोई काम नहीं है। ये ही समुद्र मंथन से निकले हलाहल (विष) के समान हैं। अब धर्म क्षेत्र में भी ईर्ष्या, द्वेष व निंदा का असर है जो उचित नहीं है। अगर हमें शिव की भक्ति करनी है तो इस विष का पान भी करना होगा। भगवान शिव भक्ति भी देते हैं और मुक्ति (मोक्ष) भी।

झूठ बोलकर हासिल ज्ञान ज्यादा दिन नहीं चलता

संकलित

प्रेरणा

परशुराम अष्ट चिरंजीवियों में से एक हैं, योद्धा और गुरु हैं। महाभारत के समय भीष्म, द्रोणाचार्य और कर्ण इनके शिष्य थे। परशुराम जी से ज्ञान हासिल करने के लिए कर्ण ने झूठ बोला था कि मैं ब्राह्मण पुत्र हूं, क्योंकि उस समय परशुराम जी ब्राह्मणों को ही ज्ञान दे रहे थे। कर्ण परशुराम जी का शिष्य बन गया और ज्ञान हासिल करने लगा। एक दिन जब परशुराम कर्ण की गोद में सिर रखकर सो रहे थे। उस समय कर्ण की जांघ पर एक बड़े कीड़े ने काट लिया। गुरु की नींद न टूटे ये सोचकर कर्ण दर्द सहते रहे, लेकिन उन्होंने परशुराम को नींद से नहीं जगाया। नींद से जागने पर जब परशुराम ने देखा कि कर्ण के पैर से खून बह रहा है तो वे समझ गए कि कर्ण ब्राह्मण पुत्र नहीं है। तब परशुराम ने क्रोधित होकर कर्ण को शाप दिया था कि मेरी सिखाई हुई विद्या की जब तुम्हें सबसे ज्यादा आवश्यकता होगी, उस समय तुम ये विद्या भूल जाओगे। महाभारत युद्ध में जब कर्ण और अर्जुन का आमना-सामना हुआ, उस समय कर्ण अपने दिव्यास्त्रों को प्रकट करने की विधि भूल गए थे। इसके बाद अर्जुन ने श्रीकृष्ण के कहने पर कर्ण का वध कर दिया। झूठ बोलकर हासिल की गई विद्या लंबे समय तक साथ नहीं देती है। ज्ञान सीखने के लिए त्याग और तप दोनों ही करना पड़ता है तब कहीं सही मायनों में ज्ञान अर्जित हो पाता है। दूसरा सही गुरु का मिलना भी जरूरी है अन्यथा भटकते रहना पड़ता है।

अंतर्मन

आज की पाती

शादी नहीं, ठगी का धंधा

भारत में शादियों को लेकर एक सांस्कृतिक उत्सव, पारिवारिक प्रतिष्ठा और भावनात्मक जुड़ाव की भावना जुड़ी होती है। लेकिन जब इस पवित्र रिश्ते को ठगों का व्यवसाय बना दिया जाए, तो यह सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, बल्कि पूरे समाज के विश्वास की हत्या होती है। हरियाणा के हिसार से सामने आया ताजा मामला इसी सामाजिक बीमारी की खतरनाक तस्वीर पेश करता है, जहां दुल्हन, उसके माता-पिता और पूरा रिश्ता ही नकली निकला। यह घटना सिर्फ एक समाचार नहीं, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी है : 'अब भी नहीं चेते तो हर घर को अपनी आबरू खुद बचानी होगी।'

– मनसुख लाल चंदेल, राजनांदगांव

ट्रेंड

प्रतिमा का अनावरण

श्रीमंत बाजीराव पेशवा ने हिन्दवी स्वराज के वैभव को और भी व्यापक बनाकर जन-जन तक सांस्कृतिक स्वाभिमान का संदेश पहुँचाया। आज खडकवासला में उनकी प्रतिमा का अनावरण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

- अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

आत्मीय संवाद

श्रीनगर में लखपति दीदियों से आत्मीय संवाद हुआ। मैं अपनी बहनों के बीच मंत्री नहीं, भाई के रूप में जाता हूं। आज भी बहनों ने अपने भाई को अपने बीच पाकर खूब गपशप की। वादा है कि आपके जीवन में कोई परेशानी नहीं रहने देंगे।

- शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषिमंत्री

एक-दूसरे का सम्मान करें

स्वामी विवेकानंद जिस हिंदू धर्म में विश्वास करते थे, मैं भी उसी में विश्वास करती हूं और वह धर्म कहता है कि मानवता सबसे महान है। स्वामी जी के आदर्शों से प्रेरित होकर मैं चाहती हूं कि बंगाल और देश के लोग एक-दूसरे का सम्मान और प्रेम करें।

- ममता बनर्जी, सीएम, प. बंगाल

विकास का भाजपा मॉडल

बीटीआर के तामुलपुर में बनने वाले मेडिकल कॉलेज और अस्पताल पर एक नजर डालें, यह क्षेत्र कभी उग्रवाद से ग्रस्त था, लेकिन अब अवसरों से गुलजार है। यह 2 साल पुराना जिला है, ऐसे क्षेत्र में जहां कुछ समय पहले तक विकास एक दूर की कौड़ी था। यह विकास का भाजपा मॉडल है।

- हिमंत बिस्वा सरमा, सीएम, असम

करंट अफेयर

कच्चातिवु द्वीप सौंपने का इरादा नहीं: श्रीलंका

श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेराथ ने कहा कि उनके देश का कच्चातिवु द्वीप छोड़ने का कोई इरादा नहीं है। हेराथ ने बातचीत में कहा, ''इस मुद्दे को सुलझाने के लिए हमारे राजनयिक माध्यम हैं लेकिन यह तय है कि श्रीलंका कभी भी कच्चातिवु को छोड़ने के लिए सहमत नहीं होगा।'' श्रीलंका के विदेश मंत्री ने यह बात श्रीलंकाई जलक्षेत्र में भारतीय मछुआरों को लगातार गिरफ्तार किए जाने की घटनाओं से जुड़े एक सवाल के जवाब में कही। भारत और श्रीलंका के मछुआरे एक-दूसरे के जलक्षेत्र में अनजाने में प्रवेश कर जाते है और वहां उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाता है।

ऑफ बीट

तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करती है विटामिन बी6

ऑस्ट्रेलिया के औषधि नियामक ने दावा किया है कि विटामिन बी6 की अत्यधिक मात्रा तंत्रिकाओं को क्षति पहुंचाने सहित ऐसे कई घातक दुष्प्रभाव उत्पन्न कर सकती है जो हमारी सोच से कहीं अधिक होंगे। ऑस्ट्रेलिया की दवा नियामक संस्था 'थेरेप्यूटिक गुड्स एडमिनिस्ट्रेशन' (टीजीए) ने यह दावा किया है। इस सप्ताह के शुरु में एबीसी की एक रिपोर्ट में बताया गया कि टीजीए के एक प्रवक्ता के मुताबिक, विटामिन बी6 के दुष्प्रभावों की गंभीरता का अब तक शायद कमतर ही आकलन किया गया था। बहरहाल, सुरक्षा संबंधी चिंताओं के मद्देनजर, विटामिन बी6 की उच्च मात्रा वाले सप्लीमेंट की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है।

संक्षेप

आकाशीय बिजली गिरने से 28 बकरियों की मौत

तीन पशुपालकों को बड़ा नुकसान, स्थानीय प्रशासन से मुआवजे की मांग की

सुलतानपुर, कटसारी ग्राम पंचायत में आकाशीय बिजली गिरने से एक पीपल के पेड़ के नीचे खड़ी 28 बकरियों की मौके पर ही मौत हो गई। बकरियों के मालिक जीतू हरिजन, मकड़ी यादव और बिजय यादव बारिश से बचने के लिए छाता लेने घर गए थे। उनके जाने के कुछ ही मिनटों बाद यह घटना घटी। घटना की सूचना मिलते ही गांव के प्रधान और एसडीएम कादीपुर के साथ लेखपाल सिगरेटरी ने मौके का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने पशुपालकों को मुआवजा दिलाने के लिए शासन को अवगत करा दिया है। कई ग्रामीण भी घटनास्थल पर पहुंचे। इस हादसे से तीनों पशुपालक परिवारों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। गांव में शोक का माहौल है। स्थानीय प्रशासन से पशुपालकों की मदद की मांग की जा रही है।

तहसील समाधान दिवस में मिले 175 आवेदन

कादीपुर में एसडीएम ने 19 शिकायतों का किया निस्तारण, अधिकारियों को दिए निर्देश

सुलतानपुर, उत्तर प्रदेश सरकार की पहल पर जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए कादीपुर तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। ब्लॉक सभागार में उप जिलाधिकारी उत्तम कुमार तिवारी की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। समाधान दिवस में राजस्व, पुलिस, विकास, विद्युत, आपूर्ति और जल जीवन मिशन से जुड़ी समस्याओं के कुल 175 आवेदन प्राप्त हुए। एसडीएम तिवारी ने अपनी टीम के साथ मौके पर 19 शिकायतों का निस्तारण किया। शेष आवेदनों के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश सरकार के इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के तहत हर महीने के पहले और दूसरे शनिवार को तहसील मुख्यालयों पर समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जन्मदिन पर 150 पौधों का वितरण, रामायण पाठ भी हुआ

सुलतानपुर, संजय नगर बाजार में भगवा आर्मी के अध्यक्ष राजीव मिश्रा का जन्मदिन मनाया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण के लिए 150 पौधों का वितरण किया गया। समारोह की शुरूआत रामायण पाठ से हुई। इसके बाद सभी को प्रसाद वितरित किया गया। पूजन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम स्थल पर भक्तिमय वातावरण था। कार्यक्रम में आरएसएस के वरिष्ठ कार्यकर्ता जमुना प्रसाद पांडे उपस्थित रहे। पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष उमाकांत शुक्ला भी मौजूद थे। प्रमोद कुमार मिश्रा, कुशाग्र मिश्रा, डॉ. बलराम मिश्रा और अर्जुन पांडे सहित सैकड़ों लोगों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। सभी ने राजीव मिश्रा को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। पौधारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

अभियान संचालित कर गांव-गांव रोपित किये जायेंगे पौधे

अमन लेखनी समाचार

संतोष मिश्रा/मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। जियो टैगिंग व हरितिमा ऐप के क्रियान्वयन तथा जनपद के सभी ग्रामों हरीशंकरी पौध, प्राकृतिक खेती, प्राकृतिक जलस्रोतों के जीर्णोद्धार तथा शहरी क्षेत्रों में अपशिष्ट प्रबन्धन के उद्देश्य से जिलाधिकारी मोनिका रानी की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विभिन्न सामाजिक संगठनों के सहयोग से प्राकृतिक खेती, पर्यावरण संरक्षण तथा प्राकृतिक जलस्रोतो के संरक्षण के लिए क्षेत्र में कार्य करने वाली संस्था लोक भारती टीम के पदाधिकारी व सदस्य तथा सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान लोक भारती टीम के राष्ट्रीय संगठन मंत्री बृजेन्द्र पाल सिंह ने हरीशंकरी पौधरोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि एक ही खड में पीपल, बरगद व पाकड़ का पौधा एक साथ रोपित करने से एक ही स्थान पर बहुत विशाल छायादार वट वृक्ष तैयार होगा जो लम्बे अन्तराल तक ग्रामवासियों को ठंडी छांव के साथ-साथ जीवनदायनी आक्सीजन प्रदान करता रहेगा। श्री सिंह ने कहा कि भारतीय संस्कृति में हरीशंकरी पौध का अध्यात्मिक एवं धार्मिक महत्व होने के साथ-साथ आक्सीजन का उत्सर्जन करने के कारण जनस्वास्थ्य के दृष्टि से भी यह पौध अत्यन्त उपयोगी हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक ग्राम में कम से कम एक स्थान पर हरीशंकरी पौध का रोपण अवश्य किया जाय। बैठक में निर्णय लिया गया कि 31 जुलाई को जनचेतना के साथ जिले की सभी ग्राम पंचायतों में समारोहपूर्वक हरीशंकरी पौध रोपण किया जायेगा।

राष्ट्रीय सहसंगठन मंत्री गोपाल उपाध्याय ने बताया कि जनपद में विषमुक्त प्राकृतिक खेती की अपार संभावना है। उन्होंने कहा कि कृषि प्रधान जनपद बहराइच के विकास खण्ड तजवापुर अन्तर्गत सभी ग्रामों में विभिन्न स्वयं सेवी संगठनों तथा प्राकृतिक खेती करने वाले प्रगतिशील किसानों के सहयोग से प्राकृतिक खेती के लिए किसानों को प्रेरित किया जा रहा है। प्राकृतिक खेती के महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्री उपाध्याय ने बताया कि अधिक उपज प्राप्त करने के लिए रासायनिक उर्वरक के प्रयोग से जहां उत्पादित होने वाले अन्न मानव शरीर के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहे हैं वहीं भूमि की उर्वरा शक्ति भी झीण हो रही है। उन्होंने कहा कि गौआधारित प्राकृतिक खेती ईको फ्रेंडली होने के साथ-साथ भूमि की उर्वरा शक्ति को भी बढ़ाने में उपयोगी है। संगठन की उपाध्यक्ष मोनिका भोनवाल ने नगरीय क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण के लिए गीले कूड़े के सुरक्षित निस्तारण के सम्बन्ध में उपयोगी सुझाव देते हुए कहा कि नगरवासी अपशिष्ट प्रबन्धन से तैयार की गई जैविक खाद का उपयोग गृह वाटिका में कर सकते हैं। इस सम्बन्ध में नगर पालिका परिषद बहराइच की ईओ प्रमिता सिंह ने बताया कि नगर के 05 वार्डों शखैयापुरा, मेवातीपुरा, बड़ीहाट, खत्रीपुरा व अकबरपुरा में लोगों को गीले कूड़े से कम्पोस्ट खाद तैयार करने का प्रशिक्षण दिलाया गया है। डीएम मोनिका रानी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विजन है कि गांव गांव में हरीशंकरी पौधरोपण हो तथा एक जनपद एक नदी का पुनरूद्धार किया जाय। उन्होंने कहा कि ऐसी बैठकों के आयोजन सरकार द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में सहयोग मिलता है तथा आमजन में चेतना का विस्तार होता है। बैठक के दौरान डीएफओ बहराइच राम सिंह यादव ने जियो टैगिंग व हरितिमा ऐप क्रियान्वयन के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण सुझाव प्रदान किया गया। इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी देवेन्द्र पाल, डीडीओ राज कुमार सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

परसा अगैय्या में प्रमुख सचिव खाद एवं रसद ने किया वृक्षारोपण

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। एक पेड़ मां के नाम पर विकास बलहा में वृहद वृक्षारोपण के तहत विकासखंड बलहा की ग्राम पंचायत परसा अगैय्या में प्रमुख सचिव खाद्य एवं रसद उत्तर प्रदेश शासन रणवीर प्रसाद ने फलदार पेड़ लगाकर कार्यक्रम की शुरूआत की। प्रमुख सचिव खाद एवं रसद विभाग उत्तर प्रदेश शासन ने कहा कि वृक्ष हमारे लिए अनमोल है वृक्ष से ही जीवन है। वन संपदा की सुरक्षा व संरक्षण मानव जीवन के लिए अति महत्वपूर्ण है, जब तक पेड़ है तब तक पृथ्वी पर जीवन है। पेड़ हमारे जीवन के लिए अति आवश्यक है। वृक्ष हमे ऑक्सीजन प्रदान करते हैं जो मानव जीवन व समस्त जीवों के लिए अति आवश्यक है, इसीलिए हमें अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर वन संपदा को बढ़ाना चाहिए। मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चंद्र ने कहा कि वृक्षों के द्वारा हमें दैनिक जीवन की हर आवश्यक वस्तु की प्राप्त होती है। इसलिए जीवन में वृक्ष सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चंद्र, खंड विकास अधिकारी बलहा अपर्णा सैनी, प्रमुख प्रतिनिधि बलहा कृपाराम वर्मा, ग्राम प्रधान मैकूलाल, सचिव राम नारायण मौर्य, आशीष शर्मा, रविंद्र यादव, बीओ पीआरडी रणवीर प्रसाद, भाजपा सोशल मीडिया प्रभारी दिनेश कुमार वर्मा सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

घर के अंदर खून से लथपथ मिला वृद्ध का शव

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अचलगंज थाना क्षेत्र के मवैया माफी गांव में एक वृद्ध व्यक्ति का शव उनके मकान में खून से लथपथ मिला। मृतक की पहचान 65 वर्षीय राम औतार यादव के रूप में हुई है। वह अपनी 50 वर्षीय बहन बिट्टी के साथ रहते थे। घटना सोमवार की रात की है। बिट्टी सरसौल स्थित ब्रह्मदेव मंदिर दर्शन के लिए गई थीं। वापस लौटने पर उन्होंने अपने भाई को दरवाजे के पास खून से लथपथ पाया। राम औतार के सिर में गहरी चोट थी। मुंह और आंख से खून बह रहा था। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने राम औतार को अचलगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। डॉक्टर मनीष बाजपेई ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की बहन ने एक रिश्तेदार पर हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पारिवारिक विवाद के कारण यह हत्या की गई है। राम औतार ने कुछ समय पहले पुरवा क्षेत्र की अपनी जमीन बेचकर यह मकान बनवाया था। पुलिस को मौके से कोई हथियार या हत्या का स्पष्ट साक्ष्य नहीं मिला है। कुछ लोगों का मानना है कि तख्त से गिरने से मौत हुई होगी। हालांकि, सिर पर गंभीर चोट और खून बहने की स्थिति से हत्या की आशंका बढ़ गई है। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी राजेश पाठक ने बताया कि फिलहाल मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस घटना स्थल की बारीकी से जांच कर रही है और आसपास के लोगों से पूछताछ भी की जा रही है। डॉक्टरों के अनुसार, वृद्ध की मौत कई घंटे पहले हो चुकी थी। ऐसे में पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि घटना के समय घर के आसपास कौन-कौन मौजूद था।

स्कूली वाहनों की जांच में बड़ी कार्रवाई

100 वाहनों की जांच में 11 के काटे चालान, फिटनेस में फेल

अमन लेखनी समाचार

अमेठी जिला, परिवहन विभाग ने स्कूली वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया है। विभाग ने पिछले पांच दिनों में 100 से अधिक स्कूली वाहनों की जांच की। इस दौरान 11 वाहन फिटनेस मानकों पर खरे नहीं उतरे। विभाग ने इन सभी वाहनों का चालान काट दिया। जिले में कुल 715 स्कूली वाहन रजिस्टर्ड हैं। एक जून से स्कूलों के खुलने के बाद कई स्कूल संचालक बिना उचित कागजात के वाहन चला रहे थे। इन वाहनों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं थीं। एआरटीओ महेश बाबू गुप्ता ने बताया कि यह विशेष अभियान 15 दिनों तक चलेगा। उन्होंने स्कूल संचालकों को सख्त निर्देश दिए हैं कि सभी आवश्यक कागजात पूरे करने के बाद ही वाहनों को सड़क पर उतारें। विभाग ने स्पष्ट किया है कि बच्चों की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। परिवहन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, कई वाहन लंबे समय से खड़े थे और बिना उचित मेंटेनेंस के सड़क पर उतार दिए गए। विभाग ऐसे सभी वाहनों की निरंतर जांच कर रहा है और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जा रही है।

कांग्रेस के नए पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण

सुल्तानपुर में जिला व शहर कमेटी के नेताओं ने ली पद की शपथ, संविधान की रक्षा का संकल्प

अमन लेखनी समाचार

सुलतानपुर, जिला और शहर कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस कमेटी से मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक धीरेंद्र प्रसाद मौजूद रहे। जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा और शहर अध्यक्ष शकील अंसारी ने अन्य कार्यकताओं के साथ मुख्य अतिथि का स्वागत किया। वंदेमातरम से कार्यक्रम की शुरूआत हुई। धीरेंद्र प्रसाद ने सभी उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिव व अन्य पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। धीरेंद्र प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए लड़ रही है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे देशभर में संविधान की रक्षा के लिए संघर्षरत हैं। कार्यक्रम में जनपद के कोऑर्डिनेटर अर्जुन पासी, उज्जवल शुक्ल, संदीप त्रिपाठी, एआईसीसी

सदस्य फिरोज अहमद, लक्ष्मी कांत मिश्र और पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ओपी चौधरी मौजूद रहे। सभी नेताओं ने कार्यकताओं से बूथ स्तर पर जनसंपर्क बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

अग्निपीड़ित परिवारों को मिली बड़ी राहत

अमेठी में 16 परिवारों को मिलेगा आवास, सोलर लाइट और कृषि पट्टा

अमन लेखनी समाचार

अमेठी जिला, जिले के भेटुआ ब्लॉक स्थित बैसड़ा गांव में दो महीने पूर्व लगी आग से प्रभावित परिवारों को सरकार ने राहत पैकेज दिया है। आग की इस घटना में 16 घर पूरी तरह जल गए थे। प्रशासन ने प्रभावित परिवारों को दैवीय आपदा के तहत 4 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान की है। साथ ही मुख्यमंत्री आवास योजना की पहली किस्त भी जारी कर दी गई है। प्रत्येक परिवार को शौचालय, सोलर रूफटॉप, कैटल शेड और बायोगैस प्लांट की सुविधा मिलेगी। डीएम संजय चौहान के अनुसार, भूमिहीन परिवारों को कृषि आवंटन योजना के अंतर्गत कृषि पट्टा दिया जाएगा। विधायक निधि से सोलर लाइट की व्यवस्था होगी। जल जीवन मिशन के तहत सभी घरों में नल कनेक्शन से शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा। अमृत सरोवर के रूप में होंगे विकसित गांव के समग्र विकास के लिए क्षेत्र पंचायत योजना से तालाब को अमृत सरोवर के रूप में विकसित किया जाएगा। ओपन जिम और सार्वजनिक शौचालय का निर्माण भी प्रस्तावित है।

यह गांव जीरो कार्बन उत्सर्जन वाला बनेगा। जिलाधिकारी ने बताया कि इस तरह की सुनियोजित कॉलोनी का यह पहला उदाहरण होगा।

दबंगों ने किया नाबालिग भाई-बहन का अपहरण

मां बोलीं–आरोपी जान से मारने की धमकी दे रहे, एसएसपी से की शिकायत

अमन लेखनी समाचार

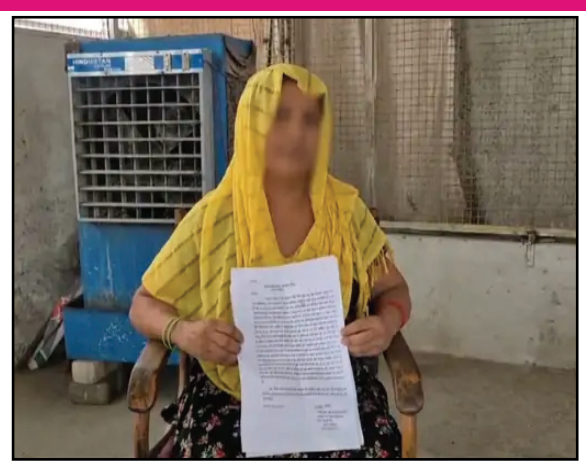

अलीगढ़, अकराबाद थाना क्षेत्र में नाबालिग भाई बहन के अपहरण का मामला सामने आया है। बच्चों की मां ने इस मामले में एसएसपी से मिलकर मदद मांगी है। उनका आरोप है कि इलाके में ही रहने वाले दबंगों ने उनके बच्चों को जबरन अपने पास रखा हुआ है। आरोपी उनके बच्चों ने मनमाने तरीके से काम कराते हैं। जान से मारने की धमकी देते हैं। उन्होंने इसकी शिकायत क्षेत्रिय पुलिस चौकी में की थी, लेकिन कई दिन बीतने के बाद भी पुलिस ने कोई एक्शन नहीं लिया। जिसके बाद पीड़िता ने एसएसपी से न्याय की गुहार लगाई है। वहीं एसएसपी ने महिला को कार्रवाई का आश्वासन दिया है। आरोपी उसके 10 साल के बेटे और 13 साल की बेटी को उठाकर ले गए थे। जिसके बाद उसने पुलिस चौकी में शिकायत की थी। कई दिन बीतने के बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। जब वह शनिवार को चौकी गई तो उसे वहां से भगा दिया गया। जब आरोपियों को इस बात की जानकारी हुई तो उन्होंने महिला को धमकाना शुरू कर दिया और उसकी बेटी और बेटा को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। महिला ने आशंका जताई कि आरोपी उसकी नाबालिग बेटी के साथ गलत कर सकते हैं, इसलिए पुलिस जल्द से जल्द उसकी सुनवाई करे।

महिला पे एसएसपी संजीव सुमन से मिलकर नामजद आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी है। इसमें महिला ने इलाके में ही रहने वाले चार आरोपियों के नाम बताए हैं, जिन्होंने उसकी बेटी ओर बेटा को अपने कब्जे में रखा हुआ है और आए दिन जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।

वहीं महिला की शिकायत के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इसमें जो भी दोषी मिलेगा, उसे बक्शा नहीं जाएगा और सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ग्राम विकास के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

सभागार में प्रधान और सचिवों को सतत विकास लक्ष्यों की जानकारी दी

अमन लेखनी समाचार

सुलतानपुर, प्रतापपुर कमैचा ब्लॉक सभागार में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत एक दिवसीय पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 65 ग्राम पंचायतों के प्रधान और पंचायत सचिव उपस्थित रहे। पर्यावरण सेना प्रमुख अजय क्रांतिकारी और पूर्व जिला पंचायत राज अधिकारी अनिल कुमार श्रीवास्तव ने प्रशिक्षण सत्र का संचालन किया। उन्होंने प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, जल संरक्षण, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षकों ने बताया कि इन क्षेत्रों में योजनाबद्ध कार्य से गांवों का समग्र विकास संभव है। कार्यक्रम के अंत में ग्राम प्रधानों ने आयोजन को उपयोगी बताते हुए संकल्प लिया कि वे ग्राम विकास की योजनाएं लक्ष्य आधारित और जनसहभागिता पर केंद्रित बनाएंगे। कार्यक्रम में ब्लॉक स्तरीय अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद थे। प्रशिक्षण से यह स्पष्ट हुआ कि नियोजित कार्यप्रणाली और सतत विकास लक्ष्यों को आधार बनाकर ग्रामीण भारत को सशक्त, समावेशी और आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है।

बिजली विभाग की लापरवाही

ट्रांसफार्मर के पैनल बिना सुरक्षा जाली के खुले, बरसात में बढ़ेगा खतरा

अमन लेखनी समाचार

अमेठी जिला, जगदीशपुर में बिजली विभाग की लापरवाही सामने आई है। पालपुर के निहालगढ़ कस्बे के मार्ग पर स्थित ट्रांसफार्मर के पैनल बिना किसी सुरक्षात्मक जाली के खुले हुए हैं। इस मार्ग से रोजाना सैकड़ों लोग गुजरते हैं। ट्रांसफार्मर के आसपास कोई चेतावनी संकेत नहीं लगाया गया है। इससे राहगीरों और पशुओं की सुरक्षा को खतरा है। बरसात के मौसम में यह समस्या और भी गंभीर हो सकती है। करंट फैलने का जोखिम कई गुना बढ़ जाता है। विद्युत विभाग हर साल मानसून से पहले मरम्मत और रखरखाव पर लाखों रुपये खर्च करने का दावा करता है। लेकिन वास्तविक स्थिति इससे एकदम अलग है। स्थानीय निवासी कालीचरण, सुनील और जावेद ने इस स्थिति पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने अधिकारियों से तुरंत कार्रवाई की मांग की है।

मुकदमा निपटाने के नाम पर विधवा से धोखाधड़ी

सपा नेता का बेटा होने का दावा कर 1 लाख रुपए ठगे, धमकी भी दी

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर, एक विधवा महिला रेनू अग्निहोत्री से मुकदमा निपटाने के नाम पर 1 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीड़िता ने शिवओम, उनके बेटे कृष्णेंद्र उर्फ करन और जीवेंद्र के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता और उसके दो बेटों के खिलाफ थाना जलालाबाद में केस नंबर 869/2024 दर्ज था। इस मामले को निपटाने के लिए शिवओम और उनके बेटों से तहसील में मुलाकात हुई। शिवओम ने अपने बेटे को सपा जिला उपाध्यक्ष बताते हुए मुकदमा निपटाने के लिए 2 लाख रुपए मांगे। महिला के गरीब होने की बात बताने पर आरोपियों ने 1 लाख रुपए में समझौता किया। पीड़िता ने अपनी जमीन गिरवी रखकर 18 नवंबर 2024 को कृष्णेंद्र के खाते में 20 हजार रुपए जमा कराए और 80 हजार रुपए नकद दिए। लेकिन मुकदमा खत्म नहीं हुआ और पैसे वापस मांगने पर टालमटोल करते रहे। जब पीड़िता ने तहसील में जीवेंद्र और कृष्णेंद्र से पैसे मांगे, तो उन्होंने जान से मारने की धमकी दी। आरोपियों ने कहा कि उन पर पहले से कई मुकदमे चल रहे हैं, एक और झेल लेंगे। पीड़िता ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई और पैसे वापसी की मांग की है।

संक्षेप

कांवड़ मार्ग का निरीक्षण

गाजियाबाद डीएम ने दिए सफाई और सुरक्षा के निर्देश, प्लास्टिक पर रोक

मोदीनगर, जिलाधिकारी दीपक मीणा ने कांवड़ यात्रा की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने मुरादनगर के पाइप लाइन मार्ग का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि क्षतिग्रस्त सड़कों की तुरंत मरम्मत की जाए। यात्रा मार्ग पर सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। सड़क किनारे से झाड़-फूंस, गूलर और भांग के पौधों को हटाया जाए। मीट, मांस और मदिरा की दुकानों के संचालकों को दिशा-निर्देशों से अवगत कराया जाए। कांवड़ शिविरों में सभी जरूरी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। विद्युत खंभों को इंसुलेटेड शीट से ढका जाए। मार्ग पर जलभराव न हो, इसका ध्यान रखा जाए। अग्निशमन यंत्रों की जांच की जाए। दुकानदारों को निर्देश दिए गए कि वे प्लास्टिक का उपयोग न करें। भोजन को ढककर और सावधानी से बनाएं। दुकान का लाइसेंस और रेट लिस्ट प्रदर्शित करें।

कांग्रेस के नए पदाधिकारियों का संकल्प समारोह

राष्ट्रीय सचिव नरवाल बोले- देश को फिर कांग्रेस की विचारधारा की जरूरत

मेरठ, दिल्ली रोड स्थित चैंबर ऑफ कॉमर्स हॉल में जिला एवं महानगर कांग्रेस कमेटी के नव नियुक्त पदाधिकारियों का पदभार ग्रहण एवं संकल्प समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत वंदे मातरम से हुई और समापन राष्ट्रगान से किया गया। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं पश्चिम जोन प्रभारी प्रदीप नरवाल मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि देश को एक बार फिर कांग्रेस की विचारधारा की आवश्यकता है। मेरठ जैसे ऐतिहासिक जनपद में कांग्रेस का मजबूत होना प्रदेश की राजनीति को नई दिशा देगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष रंजन शर्मा और जिला अध्यक्ष गौरव भाटी ने की। संचालन जिले के समन्वयक बदरुद्दीन कुरैशी और पूर्व जिलाध्यक्ष अवनीश काजला ने किया। नव नियुक्त पदाधिकारियों ने पार्टी के सिद्धांतों और संगठन की मजबूती के लिए पूर्ण निष्ठा से काम करने का संकल्प लिया। बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया गया।

बीमा क्लेम के लिए झूठी चोरी की एफआईआर दर्ज कराई

मोटरसाइकिल दूसरे को बेचकर बीमा राशि हड़पने की कोशिश, आरोपी गिरफ्तार

गौतम बुद्ध नगर, एक व्यक्ति ने बीमा राशि हासिल करने के लिए अपनी ही बुलेट मोटरसाइकिल की झूठी चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। सूरजपुर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। एनआईएमटी इंस्टीट्यूट के सामने से 32 वर्षीय हन्नी को गिरफ्तार किया। आरोपी ने 8 दिसंबर 2023 को सूरजपुर थाना क्षेत्र में अपनी बुलेट मोटरसाइकिल की चोरी की ऑनलाइन एफआईआर दर्ज कराई थी। जांच के दौरान पता चला कि हन्नी ने अपनी बुलेट मोटरसाइकिल अकबर नामक व्यक्ति को बेच दी थी। इसके बाद उसने बीमा कंपनी से पैसे हासिल करने के लिए चोरी की झूठी शिकायत दर्ज कराई।

डायरिया के प्रति जागरूकता के लिए हस्ताक्षर अभियान की शुरूआत

31 जुलाई तक चलने वाले डायरिया रोको अभियान में पीएसआई इंडिया व केनव्यू कर रहे सहयोग

अमन लेखनी समाचार

बदायूं। डायरिया के प्रति जन जागरूकता के लिए मंगलवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामेश्वर मिश्रा ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय परिसर में हस्ताक्षर अभियान का शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि शून्य से पांच साल तक के बच्चों में डायरिया के लक्षण, कारण और बचाव आदि के बारे में प्रचार-प्रसार के लिए डायरिया रोको अभियान (स्टॉप डायरिया कैम्पेन) के तहत इसकी शुरूआत की गयी है। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि जिले में 16 जून से 31 जुलाई तक डायरिया रोको अभियान चलाया जा रहा है। डायरिया रोको अभियान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू भी सहयोग कर रहे हैं। अभियान की इस साल की थीम- डायरिया की रोकथाम, सफाई और ओआरएस से रखें अपना ध्यानह्व तय की गयी है। इस अभियान का उद्देश्य बच्चों में डायरिया की रोकथाम, ओआरएस व जिंक के उपयोग को प्रोत्साहन और जनसामान्य में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना है। बारिश और उमस में बच्चा डायरिया की चपेट में कई कारणों से आ सकता है, जैसे- दूषित जल पीने से, दूषित हाथों से भोजन बनाने या बच्चे को खाना खिलाने, खुले में शौच करने या बच्चों के मल का ठीक से निस्तारण न करने आदि से। इसलिए शौच और बच्चों का मल साफ करने के बाद, भोजन बनाने और खिलाने से पहले हाथों को साबुन-पानी से अच्छी तरह अवश्य धुलें। डायरिया का सही इलाज ओआरएस का घोल और जिंक के टेबलेट हैं, जिन्हें उम्र के अनुसार निश्चित अवधि तक जरूर दें। उन्होंने कहा कि बच्चे को दिन भर में तीन या तीन से अधिक बार दस्त हो तो समझना चाहिए कि बच्चा डायरिया से ग्रसित है और ऐसे में उसको तत्काल ओआरएस का घोल देना चाहिए ताकि शरीर में पानी की कमी न होने पाए, साथ ही निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करना चाहिए। इस मौके पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एसीएमओ) डॉ. मोहन झा, डॉ. निरंजन सिंह, डॉ. पवन कुमार, डॉ. अमित रस्तोगी, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक कमलेश, डीसीपीएम अरविंद राणा, नगरीय स्वास्थ्य केंद्र से उमेश राठौर, अभय प्रताप सिंह, संतोष सागर तथा पीएसआई इंडिया से शशांक दुबे और दानिश आदि मौजूद रहे।

नाबालिक से दुष्कर्म करने वाले दो युवक गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

मथुरा। थाना मगोर्रा पुलिस टीम द्वारा नाबालिग पीडिता के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने वाले वांछित अभियुक्तगण वकील पुत्र पूरन निवासी नैनूकलां थाना मगोर्रा मथुरा व राजेश उर्फ लुक्का पुत्र जगनी उर्फ जगदीश निवासी नैनूकलां थाना मगोर्रा मथुरा को थाना हाजा क्षेत्रान्तर्गत नैनू नाला पुल के पास से गिरफ्तार किया गया थाना मोहरा प्रभारी निरीक्षक अंकुर कुमार गौतम ने जानकारी देते हुए बताया कि पीड़ित पिता ने अपनी नाबालिग पुत्री के साथ 2 व्यक्तियों द्वारा छेडखानी करने के सम्बन्ध में पोक्सो एक्ट पंजीकृत कराया गया था। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय पुलिस टीम द्वारा विवेचनात्मक कार्यवाही अमल में लाते हुए नियमानुसार नाबालिग पीडिता के कथन अंकित कराये गये तथा साक्ष्य संकलन की कार्यवाही की गयी, जिसके आधार पर वांछित अभियुक्तगण की तलाश शुरू की गयी और इसी क्रम में आज वांछित अभियुक्तगण वकील पुत्र पूरन निवासी नैनूकलां थाना मगोर्रा मथुरा व राजेश उर्फ लुक्का पुत्र जगनी उर्फ जगदीश निवासी नैनूकलां थाना मगोर्रा मथुरा को गिरफ्तार किया गया

कृष्णा नदी का प्रदूषित पानी बना समस्या

हिम्मतपुर सूजती में ग्रामीणों की बैठक, चैक डैम हटाने की मांग

अमन लेखनी समाचार

बागपत, हिम्मतपुर सूजती गांव में कृष्णा नदी के प्रदूषित पानी को लेकर क्षेत्रवासियों की बैठक आयोजित की गई। पूर्व प्रधान भोपाल सिंह के आवास पर हुई इस बैठक में ग्रामीणों ने नदी में बने चैक डैम को प्रदूषण का प्रमुख कारण बताया। वक्ताओं ने बताया कि कृष्णा नदी में केवल बरसात के मौसम में पानी आता है। गर्मियों में नदी सूख जाती है। चैक डैम के पास 10 से अधिक फीट की गहराई तक प्रदूषित पानी जमा रहता है। यह पानी जलीय स्त्रोतों के माध्यम से हैंडपंपों तक पहुंच रहा है। प्रदूषित पानी से नदी किनारे बसे गांवों में पथरी, काला पीलिया, मलेरिया और कैंसर जैसी बीमारियां फैल रही हैं। इस समस्या के समाधान के लिए बामनौली, हिम्मतपुर सूजती, असारा, थल नांगल समेत कई गांवों की एक बड़ी पंचायत बुलाई जाएगी। ग्रामीणों ने सरकार से दो विकल्पों में से एक पर कार्रवाई की मांग की है। या तो कृष्णा नदी में नियमित रूप से पानी छोड़ा जाए या फिर चैक डैम को हटा दिया जाए। बैठक में ओमप्रकाश, सुरेंद्र, जयपाल, सुरेशपाल सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

प्रेमिका की हत्या के आरोपी से पुलिस मुठभेड़

चौगानपुर में पकड़ा गया आरोपी, पुलिस की जवाबी कार्रवाई में घायल

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर, ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक 3 थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। थाना क्षेत्र के निर्माण विहार कॉलोनी में 37 वर्षीय शबनम की चाकू से गला काटकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने मृतका के पुत्र की शिकायत पर मामला दर्ज कर दो टीमें गठित कीं। चौगानपुर गोलचक्कर के पास चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार को रोका गया। आरोपी ने भागने का प्रयास किया और पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में वह घायल हो गया। घायल आरोपी की पहचान मुकीम (38) के रूप में हुई, जो दादरी का रहने वाला है। पूछताछ में उसने बताया कि वह शबनम के साथ रिश्ते में था। उसकी पत्नी और बच्चों के विरोध के बाद वह इस रिश्ते से पीछा छुड़ाना चाहता था। इसलिए उसने शबनम को अपने किराए के कमरे में ले जाकर उसकी हत्या कर दी। आरोपी से घटना में प्रयुक्त चाकू, एक तमंचा, एक खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस .315 बोर और पल्सर मोटरसाइकिल बरामद की गई है। घायल आरोपी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। सेंट्रल नोएडा के डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि 4 तारीख को एक महिला की हत्या की सूचना मिली थी

विस्फोटक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार

5 क्विंटल पटाखे और 10 किलो बारूद बरामद, दिल्ली ले जा रहा था माल

अमन लेखनी समाचार

बागपत, खेकड़ा कोतवाली पुलिस ने फखरपुर मोड़ के पास से एक विस्फोटक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया है। मुखबिर की सूचना पर की गई कार्रवाई में पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 5 क्विंटल अवैध पटाखे और 10 किलोग्राम पटाखा बारूद बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान खेकड़ा कस्बे के रहने वाले इरफान पुत्र अनीश के रूप में हुई है। वह लंबे समय से विस्फोटक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त था। पुलिस ने पटाखों की तस्करी में प्रयुक्त एक टेंपो भी जब्त किया है। एसपी सूरज कुमार राय ने बताया कि आरोपी के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम की धारा 5/9 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि आरोपी को जल्द ही न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि इस अवैध धंधे में और कौन-कौन शामिल हैं। एसपी सूरज कुमार राय ने स्पष्ट किया कि विस्फोटक पदार्थों की तस्करी को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जांच में जो भी अन्य लोग दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मजार के पास अवैध निर्माण पर कार्रवाई

- नगर निगम और पुलिस ने पक्का निर्माण और टीन शेड हटाया, अब बनेगा ग्रीन जोन

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद, सड़क किनारे स्थित मजार के पास के अवैध निर्माण को हटा दिया गया। महापौर सुनीता दयाल के नेतृत्व में नगर निगम और पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर पक्के निर्माण, टीन शेड और फर्श को ध्वस्त किया। महापौर ने कहा कि अब इस स्थल पर किसी भी तरह का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने मजार के आसपास की सभी दुकानदारी गतिविधियों को हटाने का निर्देश दिया। इस स्थान को ग्रीन जोन में बदला जाएगा और पौधारोपण किया जाएगा। इससे पहले महापौर ने मजार पर एक युवक को फटकारा था। वह मजार से जुड़ी गतिविधियों में शामिल था और अवैध रूप से वहां रह रहा था। महापौर ने चेतावनी दी कि धार्मिक स्थल की आड़ में अवैध कब्जा या दुकानदारी करने वालों पर कानूनी कार्रवाई होगी। नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक इस जमीन से पहले भी अतिक्रमण हटाया गया था। लेकिन कुछ समय बाद फिर से निर्माण कर लिया गया। अब इसे पूरी तरह खाली कराया जा रहा है। महापौर ने पुलिस को निर्देश दिए हैं कि भविष्य में यहां या किसी अन्य सार्वजनिक क्षेत्र में अतिक्रमण होने पर तुरंत कार्रवाई की जाए।

पैसा बढ़ाने का झांसा देकर 10 लाख की ठगी

बिसरख पुलिस ने 3 आरोपियों को दबोचा, 4.83 लाख रुपये और 3 कारें बरामद

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर, बिसरख थाना पुलिस ने पैसा दोगुना करने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों से 4.83 लाख रुपये और तीन लग्जरी कारें बरामद की गई हैं। मामले में पीड़ित रोबिन ने पुलिस को बताया कि वह लॉजिस्टिक का काम करता है। उसकी दोस्ती विवेक मिश्रा से हुई। विवेक की दोस्ती अमेठी निवासी पवन मिश्रा से थी, जो भी लॉजिस्टिक का काम करता है। पवन ने रोबिन की मुलाकात विवेक, लोकेश और अरमान से करवाई। आरोपियों ने रोबिन को झांसा दिया कि अगर वह 500 रुपये के नोटों में 10 लाख रुपये देगा, तो वे 100-200 के छोटे नोटों में दो लाख रुपये ज्यादा वापस करेंगे। लालच में आकर रोबिन मान गया। 1 जुलाई को चेरी काउंटी के पास स्थित पेट्रोल पंप पर रोबिन से पवन कुमार मिश्रा, लोकेश संजीव और अरमान ने पैसों से भरा बैग ले लिया। आरोपी अलग-अलग कारों में बैठकर फरार हो गए और पैसे वापस नहीं किए। इसके बाद रोबिन ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति अवस्थी ने बताया कि इस मामले में शिकायत मिलते ही तत्काल प्रभाव से टीम का गठन किया गया और पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 6 एरिया से रोजा याकूबपुर के पास से आरोपी लोकेश मिश्रा निवासी मध्य प्रदेश, पवन कुमार मिश्रा निवासी अमेठी और संजीव कुमार शर्मा निवासी हरियाणा को तीन कारों के साथ में गिरफ्तार किया। इस दौरान पुलिस ने उनके कब्जे से सलबिया कार, आई 20 कार और एक स्कॉर्पियो गाड़ी बरामद की और साथ ही ठगी किए हुए 4 लाख 83500 भी बरामद किए।

अभी किस घटना में एक आरोपी अरमान फरार चल रहा है जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

सरकारी अस्पताल में मरीज के परिजन पर हमला

स्टाफ से बहस के बाद युवक के सिर पर धारदार हथियार से वार, निजी अस्पताल में भर्ती

अमन लेखनी समाचार

मोदीनगर, दिल्ली-मेरठ मार्ग स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक गंभीर घटना सामने आई है। पत्नी का इलाज कराने आए एक युवक पर अस्पताल स्टाफ के दो लोगों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। ब्रह्मनान कॉलोनी के रहने वाले संजय वर्मा अपनी पत्नी को रात में अस्पताल लेकर आए थे। उनकी पत्नी की तबीयत अचानक खराब हो गई थी। अस्पताल में इंजेक्शन लगाने के बाद महिला की हालत और बिगड़ गई। इस बात को लेकर संजय वर्मा की अस्पताल स्टाफ से बहस हुई। बहस इतनी बढ़ गई कि मारपीट शुरू हो गई। इसी दौरान स्टाफ के दो युवकों ने संजय वर्मा के सिर पर धारदार हथियार से कई वार किए। गंभीर चोटों के कारण उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। एसीपी के अनुसार, दो अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करेगी।

कारोबारी से 13 लाख की ठगी

साइबर अपराधियों ने मुनाफे का लालच दिया, खंगाले जा रहे खाते

अमन लेखनी समाचार

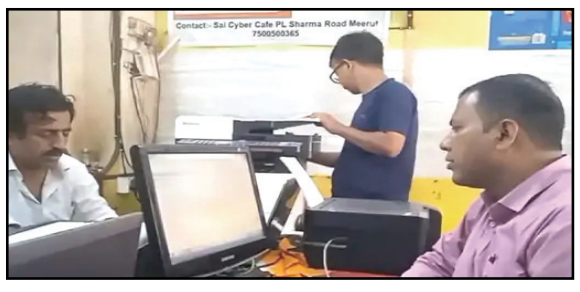

मेरठ, कारोबारी को ट्रेडिंग करना महंगा पड़ गया। सोशल मीडिया से संपर्क में आई एक महिला ने मुनाफे का झांसा देकर कारोबारी से 13 लाख रुपए इन्वेस्ट करा लिए। जब रकम निकालने का समय आया तो कारोबारी के सामने खाते में कुल रकम की 30 प्रतिशत रकम पर्सनल इन्कम टैक्स के रूप में जमा कराने की शर्त रख दी। कारोबारी ने साइबर थाने में शिकायत की है। साइबर टीम उन खातों का रिकार्ड खंगाल रही है, जिनमें यह रकम भेजी गई थी। शिवाजी रोड निवासी संजय अग्रवाल सर्विस प्रोवाइडर हैं और अस्पतालों के सॉफ्टवेयर तैयार करते हैं। पिछले महीने सोशल मीडिया के जरिए उनकी मुलाकात पारुल राजपूत नाम की महिला से हुई। उस महिला ने उन्हें ट्रेडिंग की जानकारी दी। उसने सबकुछ इस तरह समझाया कि वह उसकी मंशा समझ नहीं सके और रकम इंवेस्ट करना शुरू कर दिया। 11 बार में 13 लाख रुपये इंवेस्ट किए। रकम निकालने का प्रयास किया तो कंपनी की प्रतिनिधि ने खाते में कम से कम 30 प्रतिशत रकम और जमा कराने की शर्त रख दी। कारोबारी ने कंपनी के कई और नंबरों पर संपर्क किया लेकिन हर नंबर पर एक ही जवाब मिला। संजय ने बातचीत में बताया कि शुरू में उनका भरोसा जीतने के लिए कंपनी की प्रतिनिधि ने 10 हजार रुपये इंवेस्ट कराए और उसका मुनाफा कुछ देर बाद ही खाते में आ गया। यह खाता उस महिला ने यूबीएस ट्रेडिंग सेंटर में खुलवाया था। इसके बाद 11 अलग अलग खातों में उन्होंने 13 लाख रुपये की रकम इंवेस्ट कर दी। साइबर थाना प्रभारी जेपी यादव बताते हैं कि ऑनलाइन ट्रेडिंग या बैंकिंग करते समय हमेशा सुरक्षित वेबसाइट का उपयोग करें। वेबसाइट का यूआरएल से शुरू होना चाहिए।

तीन नाबालिग ने स्टूडेंट से की छेड़खानी

- सभी लोग एक दूसरे से पहले से परिचित, फोन पर भेजे अश्लील मैसेज, जांच कर रही पुलिस

अमन लेखनी समाचार

नोएडा, नोएडा के थाना एक्सप्रेसवे स्थित एक गांव में रहने वाली किशोरी के साथ तीन नाबालिग ने अश्लील हरकत की। उसके मोबाइल पर अश्लील मैसेज भेजे। इस मामले में नाबालिग के खिलाफ आईटी एक्ट और छेड़खानी की धारा में केस दर्ज किया गया है। पुलिस की टीम पूछताछ कर रही है।

किशोरी के पिता ने नाबालिगों द्वारा भेजे गए मैसेज का स्क्रीनशॉट भी पुलिस को उपलब्ध कराया है। थाना क्षेत्र स्थित एक फार्महाउस में केयर टेकर का काम करने वाले व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी बेटी आठवीं कक्षा की स्टूडेंट है और उम्र 14 साल है। बेटी का नंबर शिकायतकर्ता के घर के बगल में रहने वाली तीन नाबालिगों ने कहीं से ले लिया। नाबालिग भी आठवीं और नौवीं के छात्र हैं। आरोप है कि नंबर लेने के बाद नाबालिग पीड़ित की बेटी से बातचीत करने लगे। ऐसा कई दिन तक चलता रहा। बाद में नाबालिग ने स्टूडेंट के मोबाइल पर अश्लील मैसेज भेजना शुरू कर दिया। मामले की शिकायत करने के लिए जब परिजन थाने पहुंचे वहां थाना प्रभारी ने उनके साथ अभद्रता की। इसका एक वीडियो भी सामने आया। वहां खड़े परिजनों ने वीडियो बनाया और उसे वायरल कर दिया। वायरल हुए इस वीडियो की जांच एसीपी-3 को दी गई है। कुछ दिन पहले तीनों ने किशोरी के साथ अश्लील हरकत कर दी। एसीपी ट्विंकल जैन ने बताया कि स्टूडेंट के पिता की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

किशोरी और सभी नाबालिग आसपास के ही रहने वाले हैं और पूर्व से परिचित हैं। कई ग्रुप पर मैसेज वायरल हुआ कि स्टूडेंट के साथ रेप हुआ है। इन आरोपों को पुलिस अधिकारियों ने निराधार बताया है। उनकी ओर से बताया गया है कि तहरीर में कहीं भी रेप का जिक्र नहीं है। नाबालिग की ओर से भेजे गए मैसेज की जांच की जा रही है।

संक्षेप

नशे बाज बाईकर्स का ताण्डव, एक के बाद कई बाईकों में मारी टक्कर, पांच गंभीर

अमन लेखनी समाचार

मौदहा।कस्बे में बाईकर्स ने ताण्डव मचा दिया जिसमें पांच युवक गंभीर रूप से घायल हो गए जिनका सरकारी अस्पताल में इलाज किया जा रहा है सभी को गंभीर चोटें बताई जा रही हैं। कस्बे के रहमानिया कालेज के निकट कांशीराम कालोनी छिमौली रोड निवासी सुमित और अजय अनुरागी ने शराब के नशे में अनियंत्रित बाईक से एक के बाद एक कई बाईकों को टक्कर मार दी जिसमें हैदरिया निवासी जुनैद पुत्र फरीद खां, काशिफ पुत्र हसीब अहमद और कैफ पुत्र मेराजुद्दीन के साथ सुमित और अजय गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें पीआरबी और मोहल्ले वालों की मदद से सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया जहां पर सभी घायलों का इलाज किया जा रहा है फिलहाल सभी को गंभीर चोंटे बताई जा रही हैं।सड़क हादसे की खबर सुनकर नगरपालिका अध्यक्ष रजा मोहम्मद, सभासद वसी अहमद सहित रजा मोहम्मद की टीम ने सरकारी अस्पताल पहुंच घायलों का हाल जाना और सभी को बेहतर इलाज का भरोसा दिलाया।बाइक सवार बहुत ज्यादा शराब के नशे में बताए जा रहे हैं और उनकी जेब में क्वार्टर भी पाए गए।

विधवा को ससुरालीजनों ने मारपीट कर घर से निकाला

अमन लेखनी समाचार

कुरारा। थानाक्षेत्र के भौली गांव निवासी विधवा महिला ने थाने में ससुरालीजनों द्वारा मारपीट कर घर से निकलने का आरोप लगाते चार लोगों के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। क्षेत्र के भौली गांव निवासी नीमा देवी पत्नी स्व.विजय प्रताप ने थाने में दी तहरीर बताया पति की बीमारी के चलते 13 दिन पूर्व मौत हो गई थी। उसके कोई संतान न होने से ससुर, ननद, जेठानी व जेठ पति की मौत के बाद प्रताड़ित करने लगे। रविवार को मारपीट करने के बाद घर से निकाल दिया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने ससुर राजा कारण, ननद सीमा, जेठानी रमा व जेठ रवि प्रताप ऊर्फ टीकू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

धनश्याम वशिष्ठ उर्फ कान्हा भैया ही होंगे चमेलीवन मंदिर के मुख्य सेवादार

संत समाज व चौबीसी की सरदारी ने रामकिशन दास महाराज को बनाया चमेलीवन मंदिर का महंत

अमन लेखनी समाचार

होडल, (एम.एस.भारद्वाज): गांव भुलवाना स्थित प्राचीन चमेलीवन धाम मंदिर में मंगलवार को समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें चौबीसी की सरदारी, होडल की पटिटयों,मौजिज लोगों,साधु संत सहित हजारों की संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। सैंकडों साधु संतों की देखरेख में रामकिशन दास त्यागी महाराज को मंदिर का मंहत नियुक्त किया गया। आयोजित समारोह की अध्यक्षता भुलवाना स्थित राधामोहन मंदिर के महंत बिहारीदास महाराज ने की।इस अवसर पर पंच डिगम्बर अनी अखाडा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष माधवदास मौनी जी महाराज, बिहारीदास महाराज,कोकिलावन मंदिर के महंत प्रेमदास महाराज, कृष्णदास नागा महाराज, आनंददास महाराज सहित दर्जनों साधुओं के अलावा पूर्व मंत्री चौ.हर्ष कुमार, पूर्व विधायक जगदीश नायर की मौजूदगी में रामकिशन दास त्यागी महाराज को चादर पहनाकर मंदिर का महंत बनाया गया। समारोह में मौजूद साधुओं ने कहा कि अब रामकिशन दास महाराज मंदिर के महंत तथा घनश्याम वशिष्ठ उर्फ कान्हा भैया चमेलीवन मंदिर में मुख्य सेवादार का कार्य करेंगे। समारोह में खचेरा मैम्बर,चंदनसिंह, प्रेमचन्द तंवर,पूर्व सरपंच गोकुल, कुमरसिंह,अशोक, जवाहर, देवीप्रसाद,नत्थी तंवर, तुहीराम, बंशी,ओमवीर शर्मा, पूरन, जगतसिंह, गंगाराम, बोबी, जयराम,मनोज सौरोत,रमनलाल पंखीया, दन्नी, उदयभान सौरोत, अमनदीप सहित हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे। इस अवसर पर पूर्व मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता चौ.हर्षकुमार ने कहा कि चमेलीवन मंदिर लगभग चार सौ वर्ष पुराना मंदिर है। आज उनकी व उनके परिवार का जो मान सम्मान है , वह चमेलीवन मंदिर की कृपा से ही हैं। इसी मंदिर की बदौलत ही आज उनका परिवार फूल फूल रहा है। उन्होंने कहा कि वह स्वयं भी और क्षेत्र के अधिकांश लोग मंदिर के सेवादार घनश्याम वशिष्ठ उर्फ कान्हा भैया को ही मंदिर का महंत बनाना चाह रहे थे,लेकिन कान्हा भैया ने अपना स्वार्थ त्यागते हुए रामकिशन दास महाराज को मंदिर का महंत बनवाया है। जिसके लिए वह कान्हा भैया का आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि आज कुछ लोग धर्म के नाम उन्माद फैला रहे हैं,जिससे हमें दूर रहना चाहिए और धर्म के प्रति आस्था रखनी चाहिए। जिससे समाज और सनातन संस्कृति मजबूत होगी। उन्होंने समारोह में मोजूद साधु संतों से उक्त चमेलीवन मंदिर पर एक बडा धर्म सम्मेलन आयोजित करने की अपील की ताकि इस मंदिर का और अधिक विस्तार हो,दूरदराज के क्षेत्रों में मंदिर की पहचान बने तथा लोगों में धर्म के प्रति आस्था बढती रहे। इस अवसर पर मंदिर परिसर में भंडारे का आयोजन किया गया,जिसमें हजारों की संख्या में लागों ने प्रसाद ग्रहण किया।

यूपी में 27 हजार स्कूल बंद होने का विरोध, बलिया में शिक्षकों का प्रदर्शन

15 हजार बच्चों की शिक्षा प्रभावित होने की आशंका

अमन लेखनी समाचार

बलिया , कलेक्ट्रेट में मंगलवार को प्राथमिक शिक्षक संघ ने जोरदार प्रदर्शन किया। शिक्षकों, अनुदेशकों और रसोईयों ने मुख्यमंत्री को संबोधित 10 सूत्रीय मांगपत्र सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष जितेन्द्र सिंह ने स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने बताया कि जिले में कई विद्यालयों में 50 से 100 तक छात्र हैं। कुछ विद्यालयों में 1600 से 2000 तक बच्चे पढ़ते हैं। सरकार ने मात्र 18 स्कूलों में शून्य छात्र संख्या दिखाई है। जितेन्द्र सिंह ने कहा कि प्रदेश में करीब डेढ़ लाख शिक्षकों की संख्या कम की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर बलिया में 500 विद्यालय बंद होते हैं, तो लगभग 15 हजार बच्चे शिक्षा से वंचित हो जाएंगे। शिक्षक संघ ने जापान का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां एक बच्ची के लिए स्पेशल ट्रेन चलाई जाती है। इसके विपरीत उत्तर प्रदेश में 27 हजार

विद्यालय बंद होने की स्थिति में हैं। प्रदर्शन के दौरान शिक्षकों ने विरोध स्वरूप नारेबाजी भी की। शिक्षक संघ ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि बच्चों को उनकी ग्राम सभा में ही शिक्षा का अधिकार मिले। साथ ही विद्यालय बंद करने के फैसले पर पुनर्विचार किया जाए।

चन्द्रशेखर जी के विचार अन्य राजनेताओं के लिए थे आदर्श उदाहरण: जलशक्ति मंत्री

अमन लेखनी समाचार

बलिया , पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चन्द्रशेखर जी की पुण्यतिथि के अवसर पर मुख्य अतिथि जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह तथा विशिष्ट अतिथि परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने मंगलवार को गंगा बहुददेशीय सभागार में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किया। कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों ने प्रधानमंत्री स्व. चन्द्रशेखर जी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धान्जलि दी। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जल शक्ति मंत्री ने कहा कि आज पूर्व प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर के विचारों, मूल्यों और संघर्षो को आत्मसात करने का दिन है। चन्द्रशेखर जी का राजनीतिक जीवन केवल पद और प्रतिष्ठा के लिए नहीं था, बल्कि उनके विचार और मूल्यों अन्य राजनेताओं के लिए आदर्श उदाहरण था। संघर्ष के तौर पर उन्होंने दिल्ली से कन्याकुमारी तक पैदल यात्रा किये। चन्द्रशेखर जी सविधान की आत्मा को समझते थे। सविधान को बचाने के लिए सदैव तत्पर रहते थे। आपालकाल के दौरान, जब लोकतंत्र की आवाज कुचली जाती थी, तब भी उन्होंने सत्ता के खिलाफ आवाज उठाई। वह पैदल गांव-गांव जाकर अपना संदेश देते थे और जनता से सीधे संवाद करते थे। लोकतांत्रिक मूल्यों में उनका विश्वास अटूट था। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर जी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जन्म 17 अप्रैल, 1927 को बलिया जिले में स्थित इब्राहिमपट्टी गांव के एक किसान परिवार में हुआ था। वह हमेशा निरंकुश सत्ता की राजनीति का विरोध करते थे। लोकतांत्रिक मूल्यों तथा सामाजिक परिवर्तन के प्रति प्रतिबद्धता की राजनीति को महत्व देते थे। उन्होंने कहा कि जल शक्ति मंत्री ने बैरिया विधानसभा क्षेत्र में कटानरोधी कार्यों के लिए 40 करोड़ और बलिया विधानसभा के लिए 52 करोड़ रुपए दिए। उन्होने चन्द्रशेखर पार्क में स्थित चन्द्रशेखर जी के मूर्ति पर मल्यार्पण करने के बाद परिसर में पौधरोपण किया। जल शक्ति मंत्री ने समाज कल्याण विभाग के अन्तर्गत संचालित योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र दिया। लाभार्थी रामरती देवी, प्रभावती देवी, सुनिता देवी, वुधिया देवी, गीता देवी को राष्ट्रीय परिवारिक लाभ योजना से तथा ममता देवी, सरोज पटेल, सुधा, मीना देवी, मीरा वर्मा, शीला देवी, अंजू सोनी, रानी देवी, पिंकी देवी, लालसा विधवा पेंशन योजना पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। इसके अलावा कृषि विभाग की योजनान्तर्गत धीरेन्द्र शर्मा, विनोद सिंह, शशि भूषण पाण्डेय, ब्रम्हानन्द तिवारी, संतोष सिंह, संजय सिंह, रवि शंकर उपाध्याय, शिव कुमार चैहान, अवशेष कुमार सिंह, भृगुनाथ सिंह आदि प्रगतिशील कृषकों को प्रमाण पत्र वितरण किया गया। परिषदीय विद्यालयों में छात्र/छात्राओ का अधिक नामांकन कराने के लिए कम्पोजिट विद्यालय सिकन्दरपुर के अभिलाष मिश्रा, कम्पोजिट विद्यालय नरही के अवधेश कुमार सिंह, कम्पोजिट विद्यालय सोनडीह की उषा देवी, कम्पोजिट विद्यालय रेवती की कामती देवी, कम्पोजिट विद्यालय शिवन राय के संतोष कुमार यादव को प्रशस्ति पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया। उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन योजना के अन्तर्गत बैंक सखी/समूह सखी/बी0सी0 सखी में इन्दू देवी, सोनी सिंह, सुशीला मिश्रा, गुड़ियां वर्मा, ममता यादव, चन्दा देवी, विभा राय, मोनिका तिवारी, पिंकी सिंह एवं चन्द्रकला देवी, मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अन्तर्गत सोनी, नन्द किशोर, चिता देवी, मुनी लाल, गीता, भान, लक्ष्मीना देवी, ज्ञान्ती देवी, अंशू देवी तथा विकास खण्ड दुबहड में श्री योगेन्द्र मिश्रा, जगमोहन शर्मा, शैलेन्द्र कुमार वर्मा, भिखारी, रीना देवी, उषा कुमारी देवी, प्रेम कुमार, अनिता देवी, रानी, माया देवी को प्रमाण पत्र दिया गया। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अन्तर्गत पात्र लाभार्थियों को 05-05 लाख रुपए का प्रतीकात्मक चेक दिया गया। इसमें नौसाद अली, अलीना खान, कुमारी रविया, शामा परवीन, धीरज गुप्ता, सिमरम खान, सत्य प्रकाश शर्मा, बुसारा परवीन, संजीत कुमार, नाजीस नाज, इरफान खान, मुजुत्वा करीम, सवाना परवीन, पूनम गुप्ता, जैनाब खातून, गौतम कुमार साह, नवाज खान, मु० रियाज, आशू कौशिक, समीर वर्मा शामिल थे। कार्यक्रम में 25 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण एवं ट्राईसाइकिल का वितरण किया गया। इस अवसर पर सीडीओ ओजस्वी राज, भाजपा जिलाध्यक्ष संजय मिश्रा, पूर्व मंत्री राजधारी सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष संत कुमार गुप्ता (मिठाई लाल), पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश साहू के अलावा अन्य गणमान्य मौजूद थे।

खेत में मिले शव का मामला हत्या या हादसे में उलझा

मामले में अभी तक परिजनों ने नहीं दी तहरीर

अमन लेखनी समाचार

बिवांर। संदिग्ध अवस्था में खेत में मिले शव का मामला हत्या या हादसा में उलझ कर रह गया है। शव का मंगलवार को पोस्टमार्टम होने के बाद परिजनों ने अंतिम संस्कार कर दिया। मामले में परिजनों ने अभी तक तहरीर नहीं दी है। थानाक्षेत्र के करगांव गांव निवासी सुरेश (48) पुत्र लल्लू वर्मा सोमवार को मृत अवस्था में कौशलेंद्र पालीवाल के खेत में मृत अवस्था में पड़ा हुआ था। भैंस चराने के लिए लेकर गए बड़े भाई संतोष ने उसको मृत अवस्था में पड़े देखकर परिजनों सहित पुलिस को सूचना दी। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार घटना स्थल पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। मामले में मौदहा सीओ विनीता पहल ने बताया कि प्रथम दृष्टया मौत करंट लगने से प्रतीत होती है। वहीं मृतक के भाई ने बताया कि उसके सिर चेहरे पर चोट के निशान मिले हैं। जिससे मृतक हादसे का शिकार प्रतीत नहीं होता है। एसआई विजय बहादुर ने बताया कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा। परिजनों ने अभी तक कोई तहरीर नहीं दी है।

दरवाजे में उतरे करंट की चपेट में आने से किशोरी की मौत

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के मांझखोर रमेड़ी मोहल्ले में नहाने के बाद दरवाजे खोलते समय दरवाजे में उतरे करंट की चपेट में आने से किशोरी अचेत हो गई। जिसे परिजन आनन फानन जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शहर के मांझखोर रमेड़ी मोहल्ला निवासी तेज प्रताप की 17 वर्षीय पुत्री श्रद्धा मंगलवार को सुबह नहाने के लिए बाथरूम में गई। जहां बाथरूम में लगे लोहे के दरवाजे को बंद करने लगी। तभी दरवाजे में उतर रहे करंट की चपेट में आकर वही अचेत होकर गिर गई। जिसे आनन फानन परिजन जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया। घटना से परिवार में कोहराम मच गया।

जलशक्ति मंत्री ने लाभार्थियों को दिए प्रमाण पत्र

पूर्व पीएम की पुण्यतिथि कार्यक्रम में शामिल हुए,

कटान रोकने को 40 करोड़ का बजट

अमन लेखनी समाचार

बलिया , जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। गंगा बहुद्देशीय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मंत्रियों ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। जलशक्ति मंत्री ने कहा कि चंद्रशेखर का राजनीतिक जीवन पद और प्रतिष्ठा तक सीमित नहीं था। उन्होंने दिल्ली से कन्याकुमारी तक पैदल यात्रा की। आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए सत्ता के विरुद्ध आवाज उठाई। वे गांव-गांव जाकर जनता से सीधा संवाद करते थे। परिवहन मंत्री ने बताया कि चंद्रशेखर का जन्म 17 अप्रैल, 1927 को बलिया जिले के इब्राहिमपट्टी गांव में एक किसान परिवार में हुआ था। वे निरंकुश सत्ता के विरोधी और लोकतांत्रिक मूल्यों के समर्थक थे। परिवहन मंत्री ने कहा जलशक्ति मंत्री ने बैरिया विधानसभा क्षेत्र में कटानरोधी कार्यों के लिए 40 करोड़ और बलिया विधानसभा के लिए 52 करोड़ रुपए दिए। समाज कल्याण विभाग की योजनाओं के तहत राष्ट्रीय परिवारिक लाभ योजना और विधवा पेंशन योजना के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। मंत्रियों ने चंद्रशेखर पार्क में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पौधरोपण भी किया।

युवक को बेरहमी से मारपीट कर जबरिया शराब पिलाकर की लूटपाट

अमन लेखनी समाचार

गुरसरांय, झांसी। युवक के साथ बेरहमी से मारपीट जबरिया शराब पिलाना और लूटपाट के साथ वीडियो बनाकर बुरी तरह प्रताड़ित करने का गंभीर मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में पीड़ित संतोष दुबे पुत्र नारायनदास निवासी ग्राम सुट्टा थाना गुरसरांय ने थाना गुरसरांय में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि 28 जून 2025 को रात्रि लगभग 9 बजे गुरसरांय से अपने रिक्शा (ऑटो) से अपने गाँव सुट्टा जा रहा था जैसे ही पीड़ित अस्ता तालाब के पास पहुंचा। तो वहाँ पर सड़ ?क के किनारे चार-पाँच लोग ऑटो रिक्शा को रोकने लगे। प्रार्थी ने जब ऑटो रिक्शा नहीं रोका तो सभी लोगो ने मोटरसाइकिलों से पीछा करके ऑटो रिक्शा रुकवा लिया। उक्त लोगो ने मोटरसाइकिल से उतरकर पीड़ित से नाम पूछा तो प्रार्थी ने अपना नाम संतोष दुबे बताया तो वह लोग कहने लगे की तुम ब्राहमण जाति के हो। प्रार्थी ने जैसे ही हाँ कहा तो उक्त सभी लोग जमकर मारपीट करने लगे एव धर्म नष्ट की बात कहकर जबरन शराब पिलाई एवं पैर छुवमाने एवं वीडियो बनाने लगे व प्रार्थी की जेब में रखे लगभग बाइस हजार रुपए छीन लिए। एवं जाते समय उक्त लोगो ने थाना आदि में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। उक्त घटना से पीड़ित आजतक सदमें मे है।उक्त घटना की जानकारी गाँव सुट्टा के जितेन्द्र कोरी पुत्र शिवचरन कोरी ने फैलायी एवं वीडियो वायरल किया। पीड़ित ने इस संबंध में गुरसरांय थाने में शिकायती पत्र देकर मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की मांग की है । इस संबंध में गुरसरांय पुलिस कार्यवाही में जुट गई है।

ढुकानें उजड़ने से पटरी ढुकानदारों में पनपा आक्रोश

सांसद संग पटरी ढुकानदारों ने कलेक्ट्रेट का किया घेराव, सौपा ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। सीएम के संभावित दौरे को लेकर नगर पालिका द्वारा पटरी दुकानदारों की दुकाने हटाने के बाद तारबाड़ी और गड्ढे करने से आक्रोषित व्यापारियों ने मंगलवार को सपा सांसद संग जिलाधिकारी कार्यालय का घेराव किया। इस दौरान सपाइयों और दुकानदारों ने उसी स्थान पर दुकाने पुनः स्थापित कराने की मांग को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौपा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के बुधवार को जिले में संभावित दौरे को लेकर जहाँ जिला प्रशासन कड़े इंतजाम किए है वहीं नगर पालिका ने राजकीय स्पोर्ट्स स्टेडियम में जनसभा और वृक्षारोपण को लेकर 40 वर्षों से स्थापित पटरी दुकानदारों को आश्वासन देकर दुकाने सोमवार को उजाड़ दी थीं।वहीं सोमवार की रात उसी स्थान में तार बाड़ी कर बड़े बड़े

गड्ढे कर दिए। दुकानदारों ने रोजी रोटी पर खतरा मंडराते देख सपा सांसद से मिलकर न्याय की गुहार लगाई। वहीं सांसद अजेंद्र सिंह लोधी और उनके कार्यकत्ताओं ने पटरी दुकानदारों संग मंगलवार को कलेक्ट्रेट का घेराव किया।इस दौरान कार्यकत्ताओं ने सरकार विरोधी नारे लगाए और डीएम घनश्याम मीणा ने मिलकर उजड़ी पटरी दुकानों को पुनः स्थापित कराने की मांग की। इस दौरान सपा जिलाध्यक्ष इदरीश खान, ओमप्रकाश सोनकर, रिजवान खान, युगांक मिश्रा, विकास कुमार गुप्ता सहित पटरी दुकानदार मौजूद रहे।

परिषदीय विद्यालयों के मर्जर के विरोध में शिक्षकों ने किया धरना प्रदर्शन

मर्जर आदेश को वापस लेने सहित अन्य मांगों का ज्ञापन मुख्यमंत्री को भेजा

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। बेसिक शिक्षा परिषद के हजारों विद्यालयों को पेयरिंग के नाम पर बंद करने के आदेश को वापस लेने सहित अन्य मांगों को लेकर उत्तर प्रदेशीय शिक्षक संघ ने बीएसए कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री को संबोधित मांग पत्र जिलाधिकारी को सौंपा। परिषदीय विद्यालयों में कम संख्या वाले विद्यालयों का मर्जर करने के विरोध में उत्तर प्रादेशीय शिक्षक संघ ने प्रांतीय कार्यसमिति के आह्वान पर बीएसए कार्यालय में मंगलवार को दोपहर बाद एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा, जिसमें बताया गया कि 150 से कम छात्र संख्या वाले प्राथमिक विद्यालय एवं 100 से कम छात्र संख्या वाले उच्च प्राथमिक विद्यालयों को प्रधानाध्यापक विहीन करते हुए हजारों प्रधानाध्यापकों को सरप्लस घोषित कर दिया है। वहीं हजारों रसोइयों की सेवा समाप्त हो जाएगी। इसके अलावा 01 अप्रैल व उसके पश्चात नियुक्त शिक्षकों को पुरानी पेंशन व्यवस्था से आच्छादित करने, मर्जर प्रक्रिया पर रोक लगाने, प्रधानाध्यापकों की पदोन्नति एवं तैनाती की जाए, शिक्षकों को भी राज्य कर्मचारियों की भांति कैशलेस चिकित्सा सुविधा व छठे वेतन आयोग की संस्तुतियों के अनुसार 10 लाख रुपये की सामूहिक बीमा का लाभ दिए जाने, मा.शिक्षा परिषद के शिक्षकों की भांति चयन वेतनमान के अन्तर्गत 12 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले शिक्षकों को प्रोन्नत वेतनमान अनुमन्य किए जाने, राज्य कर्मचारियों की भांति उपार्जित अवकाश, द्वितीय शनिवार अवकाश, प्रतिकर अवकाश एवं अध्ययन अवकाश (स्टडी लीव) अनुमन्य किए जाने सहित अन्य मांगे शामिल है। इस मौके पर जिलाध्यक्ष देवेंद्र सिंह चंदेल, गौरव नामदेव, संदीप चंदेल, राकेश त्रिपाठी, कालका शुक्ला, दिलीप सिंह, जितेंद्र श्रीवास, राजू अनुरागी, अनुराग सिंह, विजय गुप्ता, अमित गुप्ता, लक्ष्मी शंकर, राम औतार प्रजापति, पंकज यादव, पवन कुमार गुप्ता आदि शिक्षक मौजूद रहे।

आषाढ़ मास के आखिरी मंगल को इटरा में उमड़ी भीड़

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर। इटरा के सुप्रसिद्ध बजरंगबली मंदिर में आषाढ़ मास के आखिरी मंगलवार को तड़के से ही भक्तों की भीड़ उमड़ी। सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी थानाध्यक्ष ने खुद संभाल रखी। इटरा के बजरंगबली मंदिर की ख्याति दूर-दूर तक है। यहां प्रत्येक मंगलवार को भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है।आषाढ़ मास के आखिरी मंगलवार को यहां तड़के से ही श्रद्धा का सैलाब उमड़ने लगा। पूरे दिन मेला जैसा नजारा रहा। गत मंगलवार को जाम लगने से उत्पन्न समस्या के मद्देनजर इस बार थानाध्यक्ष अनूप सिंह ने सुरक्षा व्यवस्था खुद संभाली और मंदिर प्रांगण में मौजूद रहकर वाहनों को व्यवस्थित ढंग से खड़ा कराया। जिससे लोगों ने राहत महसूस की।

ग्रीन फील्ड हाईवे के निर्माण को हरी झंडी मिलने से गांवों में हलचल हुई तेज

चिन्हीकरण किए गए क्षेत्र के किसान हुए खुश

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर। प्रस्तावित ग्रीनफील्ड हाईवे के निर्माण को केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय की स्वीकृति मिलने के बाद गांवों के किसानों के मध्य हलचल तेज हो गई है। यह प्रस्तावित ग्रीनफील्ड हाइवे सदर एवं मौदहा तहसील के गांव के मध्य से गुजारा जाएगा। इसके लिए जमीन का चिन्हीकरण करके नंबरिंग का कार्य एनएचएआई पूर्ण कर चुकी है। स्वीकृत के बाद दो माह में किसानों की जमीनों का अधिग्रहण किया जाना है। एनएचएआई ने सदर तहसील के गांव रमेडीडांडा, मंझूपुर डांडा एवं दरिया, चंदौलीतीर, हेलापुर डांडा, कलौलीतीर, कीरतपुर, बरदहा सहजना दरिया, पारा ओझी, कुछेछा, महमूदपुर, पौथिया, दरियापुर, कुंडौरा, भकौल मौजा, रगौरा मौजा, बांकी, अमिरता, सुमेरपुर ग्रामीण, बबीना मौजा, बिलहडी, बांक, पलरा, इंगोहटा, विदोखर पुरई, विदोखर मेंदनी के मौजे से गुजारने का चिन्हीकरण किया है। इसी तरह मौदहा तहसील के अछरेला, बहरेला, रोहारी, पिपरौंदा, सिलौली, रतवा, भमौंरा, नरायच, कुसमेला, गहबरा, भवानी, चमर खन्ना, लरौंद, मकरांव, रतौली, किशनपुर, चकदहा, गडरिया खेड़ा मौजे से गुजरकर यह महोबा जनपद की सीमा में प्रवेश करेगा। इस ग्रीनफील्ड हाईवे से राठ हमीरपुर मार्ग, सुमेरपुर बांकी मार्ग, इंगोहटा छानी मार्ग, मौदहा पाटनपुर मार्ग, मौदहा बिंवार मार्ग, मौदहा मुस्कुरा मार्ग को जोड़कर विकास को गति देने का कार्य किया जाएगा। गांवो के मध्य से गुजरने वाले इस ग्रीन फील्ड हाईवे के बनने के बाद सदर एवं मौदहा तहसील के उक्त गांवो के विकास की उम्मीद बढी है। ग्रामीणों का मानना है कि हाईवे के बनने के बाद गांव में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। साथ ही कृषि क्षेत्र में भी व्यापारिक अवसर मिलेंगे। इससे यहां का उत्पादन बढ़ेगा। इस ग्रीन फील्ड हाईवे के बन जाने से सबसे बड़ा फायदा कस्बे की उद्योग नगरी को मिलेगा। लखनऊ से सीधे मुंबई तक आवागमन सुगम होने के कारण यहां के उद्योगों के विकास की गति मिलेगी। इसके अलावा महोबा जनपद के स्टोन उद्योग तथा हमीरपुर के बालू खनन उद्योग को भी गति मिलेगी और सरकार के राजस्व को बढ़ावा मिलेगा।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक–
श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक –
रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address
amanlekhaninews@gmail.com

जीवन को दिशा देती है बुजुर्गों की सलाह

जीवन में जब भी आप उलझनों में फंस जाएं, समस्याओं से घिर जाएं और समझ में ना आए कि क्या करें, तो ऐसे समय में अपने बड़े-बुजुर्गों के पास जाएं, उन्हें अपनी समस्याएं बताएं, वे बहुत अपनेपन से आपकी बात सुनेंगे, समस्याओं से निकलने का रास्ता बताएंगे। उनके जीवन अनुभव आपके लिए बहुत अनमोल साबित होंगे।

कवर स्टोरी

डॉ. मोनिका शर्मा

बड़ों का आशीर्वाद ही नहीं, उनकी सलाहें भी अनमोल होती हैं। छोटी हो या बड़ी, हर उलझन-समस्या में उनका मार्गदर्शन मददगार बनता है। सहज रूप से नई पीढ़ी को सही दिशा दिखाता है। उनके अनुभव प्रैक्टिकली जिंदगी से मिलवाते हैं। आम-सी सलाह भी जीवन के लिए बहुत मूल्यवान होती है। बरसों जिंदगी से जूझकर जुटाए गए अनुभव और सुख-दुःख को जीते हुए सीखे अनगिनत सबक, नई जेनरेशन की जिंदगी को सही दिशा में आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

अनुभव से सबक

बुजुर्गों ने अपनी जिंदगी में हर तरह के हालात से जुड़े अनुभवों को जीया होता है। सरवाइवल के सूत्रों को खुद समझा होता है। सहज हो या चुनौतीपूर्ण, परिस्थितियां बहुत से सबक सिखाकर जाती हैं। ऐसे में संचित समझ और ज्ञान की पूंजी से भरी उनकी झोली नई पीढ़ी का मार्गदर्शन कर सकती है। जीवन के हर पहलू पर उनसे मिली सलाह सही दिशा दिखा सकती है। रिश्तों और करियर से लेकर व्यक्तित्व विकास, सही फैसले लेने और खुद को थामने के मोर्चे पर बड़ों का दृष्टिकोण अहम होता है। जो हर जटिल परिस्थिति में जादू-सा बन मन को दिशा दे जाता है। ऐसे अनमोल सबक किताबों में नहीं मिलते। ना ही हर ओर छाई रील्स और वीडियोज जिंदगी के संघर्षों को जीकर जुटाए गए इस तजुर्बे की बराबरी कर सकते हैं।

सहजता का भाव

'लेट गो, छोड़ो, जाने दो या भूल जाओ' यह सलाह बड़ों की बातों में अवश्य शामिल होती है। असल में जीवन भर की उलझनों में अपनी ऊर्जा और समय लगा चुके बुजुर्ग इस सच को समझ चुके होते हैं कि अपने आप के प्रति भी सहजता का भाव जरूरी है। मन दुखाने वाली बातों को पकड़कर बैठ जाना असल में खुद को ही दुख देता है। ऐसी चीजों को जाने देना ही सही है। इसीलिए बड़े हमेशा समझाते हैं कि तकलीफदेह बातों को मत पकड़ो। मन में पलता द्वेष या शिकायतें, आज ही नहीं आने वाले कल में भी खुद को ही चोट पहुंचाते हैं। समय और स्थिति बदल जाती है पर मन के कोने में दबा दुख, आक्रोश या दुर्भाव सदा के लिए ठिकाना बना लेता है। हमारे बड़े-बुजुर्ग उम्र के इस पड़ाव पर पहुंचने के बाद याद करते हुए कहते ही हैं कि 'मुझे यह नहीं करना था' या 'किसी अपने से दूर नहीं होना था' पीछे छोड़े जीवन में जो बातें, निर्णय या शब्द उनके लिए आज अपराधबोध का कारण बन रही हों, वे उनसे बचने की समझ का पाठ जरूर पढ़ाते हैं। इसी के चलते हर हाल में सहज रहने की सलाह देना वे कभी नहीं भूलते।

खुलकर जीने की सलाह

जिंदगी की आपा-धापी में जीना ही भूल जाने की गलती करने वाले युवाओं को बुजुर्ग खुलकर जीने की सलाह भी देते हैं। अच्छा-बुरा वक्त जीवन भर दस्तक देता रहता है। लोग मिलते-बिछुड़ते हैं। जिम्मेदारियां भी निभानी ही होती हैं। ऐसे में सारा वक्त फिक्र करने में नहीं लगाया जा सकता है। डरकर जिंदगी को नहीं जिया जा सकता। हमारे बड़ों ने बहुत से हालातों से गुजरने के बाद यही समझा होता है कि बात-बात में भयभीत होने का कोई अर्थ नहीं। जीवन की अपनी गति है। उसके साथ सहजता से चलते रहना ही सही तरीका है। यही कारण है कि हमारे बुजुर्ग सामाजिक-पारिवारिक माहौल से जुड़ने की सलाह भी देते हैं। भारतीय समाज में तो घर बसाने के मामले में बुजुर्गों की सलाह आज भी सबसे अहम मानी जाती है। बड़े भी अपने अनुभवों से सावधानी के साथ अपना जीवन साथी चुनने की ना केवल सलाह देते हैं बल्कि चुनाव में मदद भी करते हैं। जिसके साथ जीवन बिताना हो, उसके बारे में व्यावहारिक धरातल पर सब कुछ जानने-समझने की समझाइश देते हैं। सोशल-फैमिली फ्रंट पर आज के बदलते दौर में बड़ों की एडवाइस बहुत कारगर साबित होती है।

स्वास्थ्य सहेजने का सुझाव

अपने शरीर की देखभाल करने का सुझाव बड़े-बुजुर्ग बहुत गंभीरता से देते हैं। सेहत सहेजने के लिए समय रहते सजग होने का पाठ पढ़ाते हैं। अपने स्वास्थ्य की संभाल को लेकर की गई अनदेखी या किसी गलती का उदाहरण भी देते रहते हैं। वे नहीं चाहते कि नई पीढ़ी बीमारी के बारे में देर से जानने या सही समय पर अवेयर न होने की गलती करे। इसीलिए एक्टिव रहने, बुरी आदतों से बचने और नियमित जांच करवाने की सलाह बड़े-बुजुर्ग देते हैं। छोटी सी गलती का खामियाजा कितना बड़ा हो सकता है, वे देख चुके होते हैं। इसीलिए नई पीढ़ी को अपने स्वास्थ्य से जुड़ी परंपरागत चीजों की जानकारी भी देते रहते हैं। हम यह बात जोर देकर कहेंगे कि समय निकालकर अपने बुजुर्गों के पास बैठें। उनकी बातें सुनना जीवन के एक भरे-पूरे खजाने को खंगालने जैसा है। इसी खजाने से आपको जीवन जीने का सलीका सिखाने वाली सलाहों के अनमोल मोती मिलेंगे।

हर इंसान अपने करियर में कामयाब होना चाहता है। वह इसके लिए प्रयास भी करता है, लेकिन बाधाएं भी आती हैं। इन बाधाओं से कभी हताश-निराश ना हों। हम आपको बता रहे हैं, बाधा को दूर करने के लिए आप कौन से कारगर उपाय अपनाएं।

ऐसे दूर करें बाधाएं सफलताएं चूमेंगी कदम

सक्सेस फंडा

शिखर चंद जैन

कई बार आप जब कुछ करने वाली होती हैं तो आपका मन विचलित हो जाता है, काम से ध्यान हट जाता है, काम आगे नहीं बढ़ पाता। आपकी मानसिक स्थिति आपको आगे नहीं बढ़ने देती। अगर आपके साथ भी ऐसा हो रहा है तो ध्यान दीजिए और कुछ सामान्य उपाय अपनाइए ताकि बाधाएं दूर हों। आपका काम सुचारु रूप से आगे बढ़े। आप सफलता अर्जित करें।

जब काम में ना लगे मन: कई बार जब हम कोई काम शुरू करते हैं तो हमारा मन नहीं लगता, ऊब-सी होती है या मन इधर-उधर भटकता है। ऐसी स्थिति में आप सबसे पहले वह काम शुरू करें, जिसमें आपकी रुचि ज्यादा हो। इस काम को पूरा होने का दृढ़ संकल्प लें। इससे आपके मन में एक नई ऊर्जा जागृत होगी।

आत्मानुशासन है जरूरी: जीवन में बाधाएं आपको पग-पग पर मिलेंगी। आप उन पर नियंत्रण नहीं कर सकतीं, लेकिन अपनी प्रतिक्रिया और अपने मन पर अवश्य नियंत्रण रख सकती हैं। लाइफ में सेल्फ डिसीप्लीन भी जरूरी है। आपकी इच्छा शक्ति इतनी प्रबल होनी चाहिए कि अगर कुछ करने की योजना बना ली है तो उसे किसी भी कीमत पर टालना नहीं है।

योजना और लक्ष्य के साथ बढ़ें: बिना योजना बनाए और बिना किसी लक्ष्य के आगे बढ़ना ऐसा ही है, जैसे ट्रेन में बैठ गए लेकिन पता नहीं है कि पहुंचना कहां है? जाहिर है, आपको अपने टारगेट का पता नहीं होगा तो आपका ध्यान इधर-उधर भटकेगा ही। वहीं जब आप योजना और लक्ष्य के साथ आगे बढ़ेंगी तो आपको अपने एक-एक कदम की जानकारी रहेगी कि आप क्या कर रही हैं और आगे क्या करना है? ऐसे में आपका ध्यान पूरी तरह अपने काम पर केंद्रित रहेगा। अगर बाधाएं आती भी हैं तो आप उन्हें पार करती चली जाएंगी।

लोगों से लें सलाह: समस्याएं और बाधाओं के आने पर कभी घबराएं नहीं, संयत रहें। अपने आस-पास मौजूद अनुभवी लोगों, इष्ट मित्रों या परिजनों की सलाह और मदद लें। उन्हें अपनी स्थिति और समस्याओं के बारे में बताएं और उन्हें सुलझाने का उपाय पूछें। कई बार जब आप विभिन्न लोगों से राय लेती हैं तो उनकी राय भले पसंद ना आए, लेकिन उनके आधार पर आपके दिमाग में कोई नया आइडिया आ सकता है।

नए तरीके आजमाएं: कई बार जब हम लगातार अड़चनों से घिरने लगते हैं, अपने काम से संतुष्ट नहीं होते तो एंजायटी और सेल्फ डाउट हम पर हावी हो जाता है। ऐसी स्थिति में हम अंतर्मुखी होने लगते हैं। छोटी-छोटी बाधाएं भी हमें बड़ी लगने लगती हैं। नतीजतन हम चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से डरने लगते हैं। ऐसे में हमें जीने और काम करने के नए तरीके आजमाने चाहिए।

व्यवधान वाले लोगों से दूरी: हम सबके जीवन में कुछ लोग ऐसे आ जाते हैं, जो व्यवधान, कलह और अशांति पैदा करते हैं। ऐसे लोगों को शीघ्र पहचान लें। अनसपोर्टिव और हमेशा डिस्टर्ब करने वाली रिलेशनशिप से जल्द से जल्द दूरी बना लें। यदि ऐसे लोग काफी नजदीकी रिश्तेदार हैं तो उनके साथ बहुत औपचारिक संबंध रखें।

विश्वास रखें: हम लक्ष्य तय करने की दिशा में आगे बढ़ते हैं तो कई प्रकार के व्यवधान आते ही हैं। किसी कारणवश ठिठकना या रुकना पड़ जाए तो घबराना नहीं चाहिए। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई कहते हैं, 'बाधाएं लक्ष्य प्राप्ति की प्रक्रिया का नैसर्गिक हिस्सा हैं। कई बार हमें अपने कामों के लिए दूसरों पर भी निर्भर होना पड़ता है। ऐसे में आपको उन पर भरोसा रखना होता है। साथ ही खुद पर भी भरोसा रखें।' अपनी बेहतरीन कोशिश करते समय याद रखें कि दुनिया आपके प्रदर्शन, कार्य-कौशल और जुनून को देख रही है। इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा, आपकी कामयाबी की राहें खुलती जाएंगी।

परवरिश

दीपिका शर्मा

पहले बच्चे के बाद दूसरे बच्चे के जन्म होने पर दोनों नन्हे बच्चों का लालन-पालन मां के लिए आसान नहीं होता है। पहला बच्चा दूसरे के जन्म के बाद अपने आपको इग्नोर ना समझे, दोनों की परवरिश सही ढंग से हो, इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखें।

सेकेंड बेबी के आने पर बड़े को ना करें इग्नोर

अकसर यह देखा जाता है, सेकेंड बेबी के आने पर पैरेंट्स अपने बड़े बच्चे की परवरिश में लापरवाही बरतने लगते हैं, वे पूरा ध्यान सेकेंड बेबी पर लगा लेते हैं। समय से पहले ही बड़े बच्चे को बड़ा होने का एहसास दिलाने लगते है, इस कारण बच्चे के कोमल मन-मस्तिष्क पर बुरा असर पड़ता है, इसलिए जरूरी है कि बच्चे की सही परवरिश पर ध्यान दें। अगर आप दूसरे बच्चे की प्लानिंग कर रहे हैं तो भी या आप दो बच्चों के पैरेंट्स हैं तो भी ऐसी गलतियां करने से बचें ताकि पहले बच्चे के मन में अपने सिबलिंग के लिए ईर्ष्या की भावना ना पैदा हो, अपने माता-पिता के प्रति उसके मन में नकारात्मक भाव जन्म ना लें।

बड़ा होने का ना दें दबाव: अधिकतर पैरेंट्स में मां ही बच्चों के साथ अधिक समय बिताती है। ऐसे में पहले बच्चे को बात-बात पर यह दबाव ना डालें कि वह छोटे बेबी के आने से बड़ा हो गया है, क्योंकि इससे बच्चे अपने आने वाले छोटे भाई-बहन के सामने खुद को इग्नोर-इंसिक्योर समझने लगते हैं।

डालें शेयरिंग-केयरिंग की आदत: सेकेंड प्रेग्नेंसी की शुरुआत से ही बड़े बच्चे में धीरे-धीरे शेयरिंग और केयरिंग की आदत डेवलप करना शुरू कर दें, क्योंकि अगर दूसरे बच्चे के आने के बाद पहले बच्चे की चीजें आप साझा करेंगी तो बच्चे के मन में यह बात आएगी कि वह अपने मम्मी-पापा के लिए इंपॉर्टेंस नहीं रखता, नया बेबी अब ज्यादा प्यारा है, ज्यादा इंपॉर्टेंस रखता है। इससे बच्चे में हीन भावना उत्पन्न होने लगेगी।

बड़े बच्चे के साथ थोड़ा वक्त जरूर बिताएं: माना कि घर में छोटा बच्चा है तो मां को बहुत से काम होते हैं, इस कारण वह बड़े बच्चे पर पूरा ध्यान नहीं दे पाती, लेकिन आपकी यह गलती बच्चे के मन में घर कर सकती है। उसके मन में हमेशा यही भाव रहता है कि मुझे कोई प्यार नहीं करता। वह घरवालों से कटने लगता है। उसे मूड स्विंग की भी परेशानी होने लगती है, इसलिए जरूरी है कि बड़े बच्चे के साथ थोड़ा वक्त जरूर बिताएं, उसके साथ हंसी-मजाक करें, उसके साथ थोड़ा खेलें, उसे सोने के समय कोई छोटी-सी कहानी सुनाएं और जागते समय दुलार करें। उसे एहसास दिलाएं कि आप उसको भी बहुत प्यार करती हैं।

छोटे की गलती पर बड़े को ना डांटें: कई बार मांएं, छोटे बच्चे के साथ खेलने या उसका ध्यान रखने की जिम्मेदारी बड़े को दे देती हैं और अगर उससे कोई भूल हो जाती है तो उसे डांटने लगती हैं। ऐसा करने से बड़ा बच्चा भावनात्मक रूप से बिल्कुल अकेला महसूस करता है। इसलिए कोई गलती करने पर भी बड़े बच्चे को डांटने या झिड़कने के बजाय जहां तक हो सके उसे प्यार से ही समझाएं।

बड़े बच्चे के जन्म के समय की यादें बताएं: जिस तरह आप अपने छोटे बेबी की केयर से जुड़े ढेरों काम करती हैं, इसी तरह आप बड़े बच्चे के भी काम उसके जन्म के समय करती थीं, इन बातों को उसे बताएं। उसकी शैतानियां या कैसे वो खाता था, इस तरह की छोटी-छोटी बातें उसके साथ साझा करें। इससे वो समझ पाएगा कि उसके छोटे भाई या बहन के लिए भी मां की केयर बहुत जरूरी है।

बड़े बच्चे को प्रोत्साहित करें: बच्चा अगर आपसे अपनी कोई बात कहना चाहता है तो उसकी सुनें या उसने कोई अच्छा काम किया है तो तारीफ कर प्रोत्साहित करें।

मेकअप

सरिता गुप्ता

बारिश के दिनों में ऐसा हो मेकअप

बारिश के दिनों में उमस और चिपचिपाहट के कारण मेकअप को लंबे समय तक टिकाए रखना बहुत मुश्किल हो जाता है। ऐसे में आप इन दिनों वाटरप्रूफ मेकअप प्रोडक्ट्स का ही यूज करें। ये मेकअप प्रोडक्ट्स आपके मेकअप को लॉन्ग लास्टिंग रखते हैं। इसके साथ ही हम आपको यहां कुछ ऐसे मेकअप टिप्स बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप बारिश के मौसम में भी खूबसूरत और फ्रेश नजर आएंगी।

प्राइमर-फाउंडेशन: इस मौसम में एक स्मूद मेकअप बेस बनाने और एक्सेस ऑयल को मैनेज करने में मदद करने के लिए मेकअप से पहले मैटिफाइंग प्राइमर लगाएं। यह मेकअप को लंबे समय तक बनाए रखने में मदद करता है। इसके साथ ही वाटरप्रूफ फाउंडेशन का यूज करें, जो आपकी स्किन पर पसीना नहीं आने देगा। ऐसा करने से आपकी स्किन ग्लो करेगी और आपको फ्रेश लुक मिलेगा।

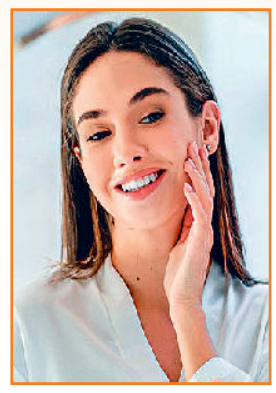

सेमी-मैट फिनिश लिपस्टिक: बरसात के मौसम में आप सेमी-मैट फिनिश लिपस्टिक का चुनाव कर सकती हैं। इससे आपके होंठ रूखे नहीं लगेंगे। इसके अलावा आप अपनी पसंद के शेड में स्मज-प्रूफ और लंबे समय तक टिकने वाला लिप लाइनर चुनें। फिर होंठों पर टिंट या टिंटेड लिप बाम लगाएं ताकि होंठ मॉश्यचराइज रहे और लिप मेकअप पानी में बहे नहीं।

आई मेकअप प्रोडक्ट्स: इस मौसम में हमेशा आई मेकअप के लिए वाटरप्रूफ प्रोडक्ट्स का ही यूज करें। सबसे पहले इसकी शुरुआत वाटरप्रूफ मस्कारा से करें, जिसे लगाने के बाद बारिश में भीगने पर भी आपकी आंखों की खूबसूरती बिल्कुल कम नहीं होगी। साथ ही आप काजल या आई लाइनर भी वाटरप्रूफ ही लगाएं।

सेटिंग पावडर: बारिश के मौसम में, मेकअप से पहले और बाद में चेहरा ऑयली नजर आने लगता है। लेकिन जब आप सेटिंग पावडर से उसे सेट कर देती हैं तो मेकअप एकदम मैट लुक देता है और फ्लॉलेस नजर आता है। यह मेकअप को इस मौसम में मेल्ट होने से बचाता है, इसलिए सेटिंग पावडर को अपनी मेकअप किट में जरूर शामिल करें।

सेटिंग स्प्रे का इस्तेमाल: मेकअप करने के सबसे बाद में मेकअप को लॉक करने के लिए सेटिंग स्प्रे अप्लाई करें। ये प्रोडक्ट ऐसा होना चाहिए, जो मै ट - फि नि श लुक प्रदान करता हो और लंबे समय तक चलने वाला फार्मूला डिजाइन किया गया हो। इससे आपके मेकअप को नमी झेलने में मदद मिलेगी और आप लंबे समय तक फ्रेश नजर आएंगी।

(मेकअप एक्सपर्ट रक्षा गुप्ता से बातचीत पर आधारित)

डाइट

राजकुमार 'दिनकर'

बारिश के मौसम में अनेक संक्रामक बीमारियों से बचने के लिए अपनी डाइट को लेकर एलर्ट रहना चाहिए। हम आपको बता रहे हैं कुछ ऐसे फल, सब्जियों के बारे में, जिन्हें इस दौरान खाने से बचना चाहिए।

रेनी सीजन में इन्हें ना करें अपनी डाइट में शामिल

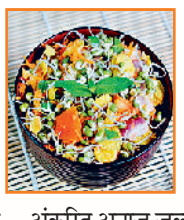

बारिश के दिनों में ज्यादातर लोग खान-पान में लापरवाही बरतने के कारण ही बीमार पड़ते हैं। यही वजह है कि इन दिनों डॉक्टर भी खाने-पीने में परहेज बरतने की सलाह देते हैं। इन दिनों विटामिन और मिनरल से भरपूर सब्जियां भी खराब मौसम के कारण हमारे लिए नुकसानदेह साबित होने लगती हैं, क्योंकि कई ऐसी सब्जियां होती हैं, जिनमें बैक्टीरिया बहुत तेज गति से बढ़ने लगते हैं और अगर हम उनका सेवन कर लेते हैं, तो वे हमारे लिए पाचन और पेट संबंधी समस्याओं का कारण बन जाती हैं। विभिन्न हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार हम आपको बता रहे हैं कि इस मौसम में कौन से ऐसे फल और सब्जियां हैं, जो जल्दी खराब होती हैं इसलिए इन्हें खाने से परहेज करना चाहिए।

हरी सब्जियां: बारिश के दिनों में पालक, मेथी, विभिन्न तरह के साग, धनिया, पुदीना, सलाद पत्ता जैसी हरी सब्जियों में ज्यादा नमी होने से बैक्टीरिया पैदा हो जाते हैं और पाचन संबंधी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इनमें से कई सब्जियों में तो बारिश के दिनों में कीड़े भी पैदा हो जाते हैं। खेतों में पानी भरने के कारण इनमें गंदगी लग जाती है और इन्हें हम कितना भी साफ कर लें, इनमें बैक्टीरिया मौजूद रहते हैं। इसलिए बारिश के दिनों में हरी सब्जियां खाने से खास परहेज बरतना चाहिए।

अंकुरित अनाज: जैसा हम जानते हैं, किसी भी तरह के अनाज को अंकुरित करने के लिए पहले उसे 8-10 घंटे भिगोया जाता है और फिर उसके बाद उसे अंकुरित करने के लिए रखा जाता है। इस सारी प्रक्रिया में लंबे समय तक पानी या नमी के संपर्क में रहने के कारण और वातावरण में नमी होने के कारण अंकुरित अनाज जल्दी सड़ने लगते हैं। इनमें फंगस लगने का खतरा बढ़ जाता है। इनको अगर कच्चा खाया जाता है तो इनसे इंफेक्शन होने का खतरा रहता है। इसलिए इस मौसम में अंकुरित अनाज थोड़ा पकाकर खाएं।

मशरूम: बारिश के मौसम में मशरूम खाने से परहेज करना चाहिए। मशरूम को नमी वाले वातावरण में उगाया जाता है। इसमें पहले ही बैक्टीरिया होते हैं। नमी के कारण यह जल्दी खराब होने लगते हैं। इन्हें खाने पर डाइजेशन से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं।

दही-छाछ: बरसात के मौसम में लगातार दही और छाछ का सेवन नहीं करना चाहिए। क्योंकि इनमें बैक्टीरिया जल्दी पनपते हैं। आयुर्वेद में तो दही को बरसात के मौसम में खाने की मनाही होती है। क्योंकि यह पाचन संबंधी समस्या पैदा कर सकते हैं।

सलाद: सलाद में इस्तेमाल होने वाले खीरे, गाजर, मूली, चुकंदर जैसी कच्ची चीजों में कीड़े होने की आशंका रहती है। भले ही यह दिखने में खराब न लगें, लेकिन अंदर से खराब होने के कारण इन्हें खाने से इंफेक्शन का खतरा रहता है।

सीफूड-मछली: मानसून के दौरान मछली या प्रॉन खाने से बचना चाहिए, क्योंकि यह समय उनके प्रजनन का होता है और इससे फूड पॉइजनिंग होने का खतरा रहता है। बारिश के मौसम में नदियों और झीलों में पानी प्रदूषित होने से मछलियों के शरीर के ऊपर गंदगी जमा हो जाती है। ऐसे में इन मछलियों का सेवन करने से सेहत को भी नुकसान हो सकता है।